News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-268
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कठिनाईयों में बीज होता है ताकत का, जब भी दबाया जाता है, वही अंकुर बनता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 02 जनवरी 2025

जातीय भेदभाव पर केंद्र ने बदली जेल नियमावली

हाथ से न उठाए कोई मैला, न करे सैप्टिक टैंक की सफाई

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेलों में कैदियों के साथ उनकी जाति के आधार पर भेदभाव और वर्गीकरण की जांच करने के लिए जेल नियमावली में संशोधन किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में कहा है कि कैदियों के साथ किसी भी तरह के जाति आधारित भेदभाव के मुद्दे को सुलझाने के लिए आदर्श कारागार नियमावली, 2016 और आदर्श कारागार एवं सुधार सेवा अधिनियम, 2023 में संशोधन किया गया है। कैदियों के साथ जाति आधारित भेदभाव पर उच्चतम न्यायालय के तीन अक्टूबर, 2024 के आदेश के मद्देनजर ये बदलाव किए गए हैं। कारागार नियमावली में किए गए नए संशोधन के अनुसार, जेल अधिकारियों को सख्ती से यह सुनिश्चित करना होगा कि कैदियों के साथ उनकी जाति के आधार पर कोई भेदभाव, वर्गीकरण या अलगाव न हो। इसमें कहा गया है कि यह सख्ती से सुनिश्चित किया जाएगा कि जेलों में किसी भी ड्यूटी या काम के आवंटन में कैदियों के साथ उनकी जाति के आधार पर कोई भेदभाव न हो। आदर्श कारागार एवं सुधार सेवा अधिनियम, 2023 के 'विविध' में भी बदलाव किए गए हैं, जिसमें धारा 55(ए) के रूप में नया शीर्षक कारागार एवं सुधार संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव का निषेध जोड़ा गया है। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि हाथ से मैला उठाने वालों के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का जेलों एवं सुधार संस्थानों में भी बाध्यकारी प्रभाव होगा। इसमें कहा गया है, जेल के अंदर हाथ से मैला उठाने या सीवर या सेप्टिक टैंक की खतरनाक सफाई की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नए साल में मुख्यमंत्री का नया प्रयोग!

सीएम डॉ. मोहन यादव शुरू करेंगे जनता दरबार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 6 जनवरी से मुख्यमंत्री निवास में जनता दरबार की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस पहल के तहत, सीएम हर महीने एक बार जनता से सीधे मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और समाधान प्रदान करेंगे। पहला जनता दरबार 6 जनवरी को आयोजित होगा। हालांकि अभी जनता दरबार में किसी प्रकार की शिकायतें सुनी जाएंगी और किस तरह से इसका संचालन होगा इसको लेकर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से शुरू किया जा रहा जनता दरबार जनता से सीधे संवाद स्थापित करने का एक नया कदम होगा। यह पहल उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार के मॉडल पर आधारित है। इसमें मुख्यमंत्री खुद जनता की समस्याओं को सुनेंगे और अधिकारियों के साथ मिलकर तत्काल समाधान निकालेंगे। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय इस संबंध में तैयारी कर रहा है और 6 जनवरी से शुरुआत होने की संभावना है। हालांकि, इस तारीख को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

समस्याओं का समाधान जल्द और प्रभावी सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा जनता दरबार की शुरुआत से यह उम्मीद जताई जा रही है कि लोगों की समस्याओं का समाधान जल्द और प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा। सीएम के इस प्रयास से न केवल प्रशासनिक स्तर पर सुधार होगा, बल्कि जनभावनाओं और समस्याओं के समाधान में भी गति आएगी। जानकारी के अनुसार इसमें जिला स्तर पर हल नहीं होने वाली शिकायतों और अधिकारियों के स्तर पर समाधान नहीं होने वाली शिकायतों को लिया जाएगा। इसमें शुरुआत में पॉलिसी से संबंधित शिकायतों को लेने की बात कहीं जा रही है।

ग्रामीण इलाके के लोगों को प्राथमिकता बताया जा रहा है कि जनता दरबार में ग्रामीण इलाके से आए लोगों को प्राथमिकता मिलेगी। सीएम खुद उन लोगों की समस्या को सुनेंगे। पहले जनता दरबार में 500 से भी ज्यादा लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए विभाग स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

ट्रांसफर और पोस्टिंग जैसे मुद्दों की कोई सुनवाई नहीं होगी जनता दरबार में ट्रांसफर और पोस्टिंग जैसे मुद्दों की कोई सुनवाई नहीं होगी, यहां केवल बीमारी, जरूरतमंदों के आवेदनों पर ही सुनवाई होगी। दरअसल, पहले लोगों की शिकायतों को जोड़ा जाएगा और उनके आवेदन बनाएंगे जाएंगे। सीएम इन शिकायतों को सुनेंगे और निराकरण के निर्देश देंगे।ऐसे में संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी यहां रहने के निर्देश रहेंगे। वहीं जनता दरबार क्रम शुरू होने के बाद इसमें बदलाव भी हो सकते हैं। सीएम हाउस पर पहुंचने वाले लोगों के लिए भी सभी व्यवस्थाएं रहेगी और उनके कामों पर फोकस किया जाएगा। माना जा रहा है कि जनता दरबार के जरिए सीएम मोहन यादव खुद भी सीधे जनता से फीडबैक लेना चाहते हैं। क्योंकि सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा हो चुका है.

ये सीएम भी लगा चुके हैं जनता दरबार मोहन यादव से पहले पूर्व सीएम उमा भारती भी जनता दरबार लगा चुकी हैं। पूर्व सीएम उमा भारती 2003 में राज्य की मुख्यमंत्री बनीं थी। वह लोगों की समस्या सुनकर उसका समाधान करती थीं। कहा जाता है कि जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंचते थे जिस कारण से इसे बंद करना पड़ा था। मध्यप्रदेश में सबसे पहले दिग्विजय सिंह ने जनता दरबार लगाने की शुरुआत की थी। दिग्विजय सिंह 1993 से 2003 तक लोगों की समस्या सीएम आवास पर खुद सुनते थे।

10 दिन बाद बोरवेल से निकाली जा सकी बच्ची, नहीं बच सकी जान

जयपुर। राजस्थान के कोटपुतली में बीते दिनों बोरबेल में गिरी चेतना को 10 दिन तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाहर निकाल लिया गया। चेतना को कोटपूतली के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किरतपुरा के बड़ियाली की ढाणी की चेतना 23 दिसंबर को खेलते हुए बोरवेल में गिर गई थी। वह 700 फीट गहरे बोरवेल में 170 फीट पर फंस गई. जैसे-तैसे उसे 120 फीट पर लाया गया। चेतना को बोरवेल में गिरने के 10 दिन बाद निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे कर्मचारियों ने बताया कि जो बोरवेल था उससे धीरे-धीरे बिटिया को लेकर आए, वो पत्थरों में फंसी थी। पत्थरों को काटते गए, जहां से बच्ची फंसी थी, वहां से बोलवेल टिल्ट हुआ है। बी प्लान में दिक्कतें आईं, बोरवेल टिल्ट था, जिसकी वजह से चट्टान काटनी पड़ी। यह पेचिदगी वाला ऑपरेशन था। इसमें दिक्कतें आती गईं। लास्ट तक सफलता मिलने में समय लगा। दूसरा बोरबेल बनाया था, बरसात हो गई थी जिससे वेल्डिंग करने में दिक्कत आई।

मध्यप्रदेश में नए साल की पहली सुबह रही सर्द, छाया घना कोहरा

भोपाल। मध्यप्रदेश में साल 2025 की पहली सुबह कड़ाके की सर्दी रही। वहीं, कई शहर कोहरे की आगोश में रहे। भोपाल, उज्जैन और शाजापुर में इतना घना कोहरा रहा कि 50 मीटर बाद कुछ नहीं दिखा। भोपाल में सुबह 9 बजे के बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए। सागर, बालाघाट के मलाजखंड और दमोह में 200 से 500 मीटर तक विजिबिलिटी रही। रायसेन में दिन में भी रात जैसी सर्दी रही। दिन का तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। इससे पहले रात में पारा 8.3 डिग्री था। मंगलवार-बुधवार की रात में कई शहरों में पारा 10 डिग्री के नीचे आ गया। भोपाल, रायसेन, रीवा, नौगांव, सीधी, नर्मदापुरम, जबलपुर, सतना, गुना, शिवपुरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और उज्जैन में कोल्ड डे जैसी स्थिति रही। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को रीवा में 18.2 डिग्री, भोपाल में 18.3 डिग्री, भोपाल में 18.3 डिग्री, नौगांव में 19 डिग्री, सीधी में 19.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 19.9 डिग्री, खजुराहो में 20.2 डिग्री, दमोह में 20.5 डिग्री, जबलपुर-सतना में 20.8 डिग्री, गुना-शिवपुरी में 21 डिग्री, मलाजखंड में 22 डिग्री, सिवनी में 22.2 डिग्री, उमरिया में 22.5 डिग्री और उज्जैन में 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। नवंबर-दिसंबर में रिकॉर्ड तोड़ने वाली ठंड जनवरी में भी जमकर असर दिखाएगी। मौसम विभाग का कहना है कि जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर चल सकती है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के समर्थन में आया संघ का मुखपत्र 'पांचजन्य, वहीं संघ के अंग्रेजी मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने की राय थी अलग

राजनीतिक लाभ के लिए मंदिर-मस्जिदों का इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं...

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद को लेकर दिया गया बयान चर्चा में बना हुआ है। अब आरएसएस से जुड़े मुखपत्र पांचजन्य ने आरएसएस चीफ मोहन भागवत के बयान का समर्थन किया है। आरएसएस के मुखपत्र पांचजन्य ने अपने संपादकीय में कहा है कि मोहन भागवत का हालिया बयान समाज से इस मामले में समझदारी भरा रुख अपनाने का स्पष्ट आह्वान है। उनके इस बयान ने इस मुद्दे पर देश में चल रही अनावश्यक बहस और भ्रामक प्रचार से आगाह भी किया है। पांचजन्य में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि मंदिर हिंदुओं के विश्वास के केंद्र हैं लेकिन राजनीति लाभ के लिए इनका इस्तेमाल बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। आज के समय में मंदिर और मस्जिद मामले पर अनावश्यक बहस करना या भ्रामक प्रचार करना चिंताजनक ट्रेंड बना हुआ है। सोशल मीडिया ने इस ट्रेंड को और बढ़ा दिया है।

हजारों साल से विविधता में एकता पांचजन्य ने अपने संपादकीय में लिखा है कि भारत एक सभ्यता और संस्कृति का नाम है, जो हजारों साल से विविधता में एकता का सिद्धांत न केवल सिखाता रहा है, बल्कि इसे जीवन में भी अपनाया है। आज के समय में मंदिरों से जुड़े मुद्दों को राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चिंताजनक है। सरसंघचालक ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। यह दृष्टिकोण दिखाता है कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करते हुए राजनीतिक झगड़ों, व्यक्तिगत महिमामंडन और विवादों से बचना चाहिए।

इतिहास के घावों को न कुरेदा जाए पांचजन्य ने अपने संपादकीय में लिखा है कि भागवत का संदेश एक गहरी सामाजिक चेतना को जागृत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि इतिहास के घावों को कुरेदने के बजाय हमें अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए समाज में सामंजस्य और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना चाहिए।

ऑर्गनाइजर ने पब्लिश की थी उलट स्टोरी इससे पहले आरएसएस के अंग्रेजी के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने संभल मस्जिद विवाद पर अपनी लेटेस्ट कवर स्टोरी पब्लिश की थी, जिसमें कहा गया था कि विवादित स्थलों और संरचनाओं का वास्तविक इतिहास जानना जरूरी है। पत्रिका में कहा गया था कि जिन धार्मिक स्थलों पर आक्रमण किया गया या ध्वस्त किया गया, उनकी सच्चाई जानना सभ्यतागत न्याय को हासिल करने जैसा है। पत्रिका में कहा गया था कि जिन धार्मिक स्थलों पर हमला किया गया या जिन्हें ध्वस्त किया गया, उनकी सच्चाई जानना जरूरी है। सभ्यतागत न्याय के लिए और सभी समुदायों के बीच शांति और सौहार्द का प्रचार करने के लिए इतिहास की समझ होना जरूरी है।

मस्जिदों को लेकर गहराया हुआ है विवाद पिछले कुछ समय से देश में मस्जिदों को लेकर विवाद गहराया हुआ है। देश में मस्जिदों के सर्वे की मांग के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि ऐसे मुद्दों को उठाना अस्वीकार्य है। उन्होंने 19 दिसंबर को पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर हिंदुओं के लिए आस्था का मामला था, लेकिन रोज ऐसे नए मुद्दों को उठाना अस्वीकार्य है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ व्यक्तियों को ऐसा लगने लगा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं।

हिंदू धमार्चार्य कर चुके हैं भागवत के बयान का विरोध जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने मोहन भागवत के बयान पर नाराजगी जताई थी।

मोबाइल कॉलिंग के लिए नहीं चाहिए टॉवर? अंतरिक्ष से जुड़ेगा आपका स्मार्टफोन

नई दिल्ली। भारत जल्द ही अमेरिकी कंपनी का एक विशाल कम्युनिकेशन सैटेलाइट (संचार उपग्रह) लॉन्च करने जा रहा है, जो मोबाइल फोन से सीधे अंतरिक्ष के जरिये कॉल की सुविधा देगा। यह सैटेलाइट टेलीफोनी के क्षेत्र में अब तक की सबसे आधुनिक और क्रांतिकारी तकनीक मानी जा रही है। यह पहली बार होगा जब भारत एक अमेरिकी कंपनी के विशाल संचार उपग्रह को अपने रॉकेट से लॉन्च करेगा। इससे पहले भारत ने केवल छोटे अमेरिकी उपग्रह लॉन्च किए हैं। भारत के विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि फरवरी या मार्च में हम मोबाइल संचार के लिए एक अमेरिकी उपग्रह लॉन्च करेंगे। यह मिशन बहुत दिलचस्प होगा क्योंकि यह मोबाइल फोन से सीधे वॉयस कॉलिंग की सुविधा देगा। हालांकि, इसरो और मंत्री ने अमेरिकी ऑपरेटर की पहचान की पुष्टि नहीं की है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह टेक्सास स्थित कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल हो सकती है।

किसी भी स्मार्टफोन से होगी कनेक्टिविटी एक रिपोर्ट के मुताबिक एएसटी स्पेसमोबाइल का दावा है कि उनकी सर्विस के लिए विशेष हैंडसेट या टर्मिनल की आवश्यकता नहीं होगी। किसी भी स्मार्टफोन से वॉयस कॉल और इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस मिशन में इसरो के लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (बाहुबली रॉकेट) का इस्तेमाल किया जाएगा। यह 6000 किलोग्राम वजनी ब्लू बर्ड उपग्रह को निचली पृथ्वी कक्षा में स्थापित करेगा। इस उपग्रह का एंटीना लगभग 64 वर्ग मीटर का होगा, जो एक फुटबॉल मैदान के आधे आकार के बराबर है।

वैश्विक कनेक्टिविटी का लक्ष्य एएसटी स्पेसमोबाइल के सीईओ एबेल एवेलन ने बताया कि उनकी तकनीक दुनिया की पहली स्पेस-आधारित सेल्युलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क स्थापित करने का उद्देश्य रखती है। कंपनी का लक्ष्य वैश्विक कनेक्टिविटी गैप को खत्म करना और डिजिटल युग में सभी को जोड़ना है।

भारत के लिए बड़ी उपलब्धि इसरो के विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रक्षेपण न केवल भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को बढ़ावा देगा, बल्कि अमेरिका जैसी तकनीकी महाशक्ति का भरोसा भी मजबूत करेगा। इससे पहले भारत ने वनवेब के उपग्रहों को लॉन्च किया था, जिसमें भारती एंटरप्राइजेस की हिस्सेदारी है। एएसटी स्पेसमोबाइल का यह मिशन स्टारलिंग और वनवेब जैसी सेवाओं को सीधी चुनौती देगा। इसके अलावा, एएसटी स्पेसमोबाइल की योजना कम उपग्रहों के साथ बड़ा कवरेज देने की है, जो इसे अन्य कंपनियों से अलग बनाता है।

नशा करने के बाद औरत बन जाता था डॉक्टर!

न्यू ईयर पार्टी में नशा सप्लाई करने का था प्लान, 30 ग्राम एमडी ड्रग और 2.5 किलो गांजा जब्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में ड्रग्स के नशे को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इंदौर में भी क्राइम ब्रांच एमडी ड्रग्स को लेकर लगातार छापा मार रही है। शहर के होम्योपैथी डॉक्टर के पास से क्राइम ब्रांच की टीम ने 30 ग्राम एमडी ड्रग जब्त किया है। उसके पास से टीम ने 2.5 किलो गांजा भी जब्त किया है। दरअसल, क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बजरंग नगर से एक होम्योपैथी के डॉक्टर योगेश लड़ईया और उसके साथी भारत चौरसिया को दबोचा है। पुलिस ने दोनों के पास से 30 ग्राम एमडी ड्रग और ढाई किलो गांजा जब्त किया है। पूछताछ में डॉक्टर ने कबूल किया है कि वह खुद भी नशा करने का आदी है। वह इस ड्रग को न्यू ईयर की पार्टी में कस्टमरों को देने के लिए लाया था। उसका साथी भरत रीवा का

रहने वाला है। वह मिडलैंड होटल में तीन सालों से केयरटेकर का काम करता है। होटल में ही उसकी मुलाकात योगेश से हुई थी। पुलिस ने बताया कि योगेश की पत्नी ने जब उसे छोड़ा तभी से वह ड्रग का आदि हो गया। वह बैंक से कर्ज लेकर ड्रग्स की तस्करी करता था।

पुलिस ने पकड़ा तब महिला के वेश में था

पूछताछ में पता चला है कि नशे के बाद योगेश अपना मानसिक संतुलन खो देता है। वह नशे में महिलाओं के कपड़े पहन लेता था। लड़कियों जैसी हरकतें भी करने लगता था। पुलिस को उसके मोबाइल से इस तरह के फोटो भी मिले हैं। जब पुलिस ने उसे नशे के साथ पकड़ा तब भी वह लड़कियों के ड्रेस में था। पुलिस ने उसे उसी हालत में गिरफ्तार किया है।

रीवा का रहने वाला है दूसरा आरोपी

डीसीपी राजेश त्रिपाठी की टीम ने मंगलवार रात में यह कार्रवाई की है। जिसकी जानकारी बुधवार को मीडिया को दी गई।

योगेश खुद का होम्योपैथी क्लीनिक चलता है। उसने कबूल किया है कि वह खुद भी नशा करने का आदी है। वहीं, दूसरा आरोपी भारत मूल रूप से रीवा का रहने वाला है। वह तीन सालों से मिडलैंड होटल में केयर टेकर का काम कर रहा है। होटल में आने-जाने के दौरान ही उसकी योगेश से पहचान हुई। वह दोस्तों के साथ मिलकर नशा करते हैं।

न्यू ईयर पार्टी में नाबालिगों की अश्लीलता

इंदौर के खजराना इलाके के रिंग रोड स्थित डोपामाइन पब में न्यू ईयर पार्टी हो रही थी, इस दौरान नाबालिग लड़के-लड़कियों की अश्लीलता और शराब के नशे में झूमते हुए डांस का वीडियो वायरल हो रहा है। इस घटना ने पुलिस और प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी में मंगलवार देर रात तक शराब के सेवन और डांस का सिलसिला चलता रहा, जबकि प्रशासन ने पहले से ही समय सीमा का पालन कराने और नशाखोरी रोकने के निर्देश दिए थे। कमिश्नर संतोष सिंह ने सभी पब और होटलों को तय समय पर बंद कराने और नशाखोरी के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसके बावजूद, पब में नियमों की धज्जियां उड़ाई गईं। खजराना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस पब में सख्ती के निर्देशं के बावजूद यह घटना घटी। इस बार न्यू ईयर पार्टी पर बजरंग दल और हिंदू जागरण मंच जैसे संगठनों ने किसी भी पब या होटल के बाहर विरोध प्रदर्शन से दूरी बनाई। बताया जा रहा है कि पुलिस प्रशासन ने इन्हें आश्वस्त कर दिया था कि सभी जगह समय सीमा का सख्ती से पालन होगा। इसके बावजूद इस घटना ने प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। बता दें कि प्रदेश के कई अन्य जिलों में न्यू ईयर की पार्टी हुई है। भोपाल में लोगों ने पार्टी में जमकर डांस किया। वहीं सागर में बी न्यू ईयर की पार्टी में लोग डूबे रहे। जबलपुर में न्यू ईयर की पार्टी देखने को मिली।

विरोध के बीच आज पीथमपुर पहुंच जाएगा 377 टन जहरीला कचरा!

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राजधानी भोपाल में बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने से लगभग 377 टन खतरनाक जहरीला कचरा ट्रकों में भर दिया गया। बुधवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ये ट्रक राजधानी से करीब 250 किलोमीटर दूर स्थित निपटान स्थल के लिए रवाना होंगे। कचरे को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के लिए इंदौर से 30 किलोमीटर दूर धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को चुना गया है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार आधी रात तक 12 ट्रक अपशिष्ट लेकर रवाना होंगे और संभवतः गुरुवार सुबह पीथमपुर के रामकी संयंत्र स्थल तक पहुंच जाएंगे। यात्रा को आसान बनाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। राज्य के भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के निदेशक स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि हमने काम पूरा कर लिया है। रविवार से 30 मिनट की पाली में सौ लोगों ने अपशिष्ट को पैक किया है। उनकी स्वास्थ्य जांच की गई और हर 30 मिनट में उन्हें आराम दिया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने हाल ही में राजधानी भोपाल में यूनियन कार्बाइड साइट को खाली न करने के लिए अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई थी। डांट लगाने के बाद कहा था कि यह उदासीनता एक और त्रासदी का कारण बन सकती है।

तीन महीने के भीतर जला दिया जाएगा

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के निदेशक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि अगर सब कुछ ठीक पाया जाता है, तो कचरे को तीन महीने के भीतर जला दिया जाएगा। अन्यथा इसमें नौ महीने तक का समय लग सकता है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने तीन दिसंबर को जहरीले कचरे को स्थानांतरित करने के लिए चार सप्ताह की समय सीमा तय की थी और सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उसके निर्देश का पालन नहीं किया गया तो अवमानना की ??कार्यवाही की जाएगी।

जहरीले कचरे में क्या-क्या है?

भोपाल से पीथमपुर लाए जा रहे कचरे में 92 टन सेविन और नेफ्थॉन के अवशेष हैं। 54 टन कीटनाशक बनाने के उपयोग में लाया जाने वाला केमिकल है और 29 टन रिएक्टर के अवशेष है। इस जहरीले कचरे में यूका फैक्टरी की मिट्टी और धूल भी है, जिसे जलाया नहीं जा सकता है। इसके अलावा इनमें मटेरियल में कई रिएक्शन नहीं हो सकता। बैग में कचरा भरने के लिए 50 से अधिक लेबर लगे थे। ये सभी पीपीई किट पहने रहे। ताकि केमिकल के संपर्क में आने पर शरीर को नुकसान न हो।

40 टन कचरे को दफना चुके

40 टन कचरे को रामकी फैक्टरी के आगे वाले हिस्से में दफनाया जा चुका है। उसके दफनाए जाने के बाद फैक्टरी के समीप के आशापुर गांव के नाले और बोरिंग का पानी दूषित हो चुका है। ग्रामीण बोरिंग के पानी का उपयोग नहीं करते हैं। तब तत्कालीन केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश खुद पीथमपुर आकर पानी के सैंपल अपने साथ ले गए थे।

रामकी परिसर बना पुलिस छावनी

भोपाल से निपटान के लिए पीथमपुर की जिस रामकी फैक्टरी में लाया जाना है। उसे पूरी तरह पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 200 से ज्यादा पुलिस जवानों को फैक्टर रुट पर तैनात किया गया है। रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए हैं। पीथमपुर में कचरा लाए जाने का विरोध भी हो रही है। प्रदर्शनकारी कंटेनरों को न रोके, इसके लिए अतिरिक्त सर्तकता बरती जा रही है। उधर तीन जनवरी को पीथमपुर बंद की घोषणा की गई है।

पीथमपुर के स्थानीय संगठन कर रहे विरोध

एक तरफ जहां लंबी लड़ाई के बाद भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी से जहरीला कचरा कोर्ट के आदेश के बाद यहां से शिफ्ट किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ पीथमपुर में इसको लेकर डर का माहौल है। पीथमपुर के कई स्थानीय संगठन इसका लगातार विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए कहा कि सरकार पीथमपुर के लोगों की जान को खतरे में डाल रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर इसका दुष्प्रभाव पड़ सकता है और इसकी वजह से जल स्तर भी प्रदूषित हो सकता है।

कचरा जलाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

भोपाल में गैस राहत की विषय में काम करने वाली रचना ढींगरा का भी कहना है कि कचरे को पीथमपुर भेज कर स्थानीय लोगों की जान को खतरे में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को दबाव डालकर इस जहरीले कचरे को भोपाल से अपने देश ले जाने के लिए मजबूर करना चाहिए। इसी बीच इंदौर के एक डॉक्टर के संगठन की ओर से मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के इंदौर ब्रांच में यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को पीथमपुर में शिफ्ट करने पर रोक लगाने की अपील की है। इंदौर के महात्मा गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल एल्युमिनी एसोसिएशन ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का 337 मीट्रिक टन जहरीला कचरा जलाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। एसोसिएशन के सदस्य डॉ. संजय लोढ़े व अन्य सदस्यों द्वारा लगाई गई इस याचिका में बिना ट्रायल और रिसर्च के कचरा निपटान पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी इसका विरोध किया है।

कल पीथमपुर बंद का आह्वान

कचरा जलाने के विरोध में 10 से ज्यादा संगठनों ने 3 जनवरी को पीथमपुर बंद का आह्वान किया है। पीथमपुर क्षेत्र रक्षा मंच, पीथमपुर ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति, मप्र किसान सभा सहित कई संगठनों का कहना है, भोपाल का कचरा अमेरिका भेजा जाए। वहीं पीथमपुर बचाओ समिति 2 जनवरी को दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की तैयारी में है। बता दें कि 1984 में 2-3 दिसंबर की रात को यूनियन कार्बाइड कीटनाशक फैक्टरी से अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट लीक हुई थी, जिससे 5 हजार 479 लोगों की मौत हो गई थी और 5 लाख से अधिक लोग सेहत संबंधी समस्याओं और विकलांगताओं से ग्रसित हो गए थे।

एमपीपीएससी के बाहर आंदोलन करने वालों को पुलिस ने पकड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के दो वरिष्ठ सदस्यों को पुलिस द्वारा उनके घर से हिरासत में लिए जाने की घटना ने विवाद खड़ा कर दिया है। बुधवार को ये सदस्य, राधे जाट और रंजीत, डीडी पार्क में एक मीटिंग आयोजित करने वाले थे, जिसमें एमपीपीएससी की भर्तियों में कम पदों की संख्या और अन्य मुद्दों पर चर्चा होनी थी लेकिन मीटिंग से पहले ही, पुलिस ने उन्हें उनके घर से ले जाकर मीटिंग को रोक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सरकार की कार्यवाही की आलोचना करते हुए लिखा कि मध्यप्रदेश सरकार की तानाशाही देखिए, अब मीटिंग भी नहीं करने दे रहे। ट्वीट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य वरिष्ठ नेताओं को टैग करते हुए यूनियन ने पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

इससे पहले, यूनियन ने एमपीपीएससी कार्यालय के बाहर चार दिन तक धरना प्रदर्शन किया

था, जिसमें विभिन्न मांगें रखी गई थीं। आंदोलन में पांच हजार से अधिक छात्र दिन रात धरने पर बैठे थे। सीएम मोहन यादव से मुलाकात के बाद मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद, यूनियन के अनुसार, भर्तियों में कम पदों की संख्या और अन्य मुद्दों को लेकर असंतोष बना हुआ है। छात्रों ने कहा सीएम ने 500 भर्तियां निकालने का आश्वासन दिया था लेकिन 158 भर्तियां ही निकली। इसी सिलसिले में मीटिंग रखी गई थी। यूनियन के सदस्य अब वकील के साथ संबंधित पुलिस थाने पहुंचने की योजना बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी छात्र फिर से एक दूसरे को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। अभी तक दोनों छात्रों की कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसके विषय में छात्र लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। घटना के संबंध में अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यूनियन के आरोपों पर प्रतिक्रिया का इंतजार है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की इंदौर-दिल्ली फ्लाइट पहले ही दिन कैंसिल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नए साल के पहले ही दिन (1 जनवरी) इंदौर-दिल्ली फ्लाइट को कैंसिल कर दिया। कंपनी ने पहले 20 दिसंबर से यह नई उड़ान शुरू करने की घोषणा की थी। बाद में इसे 31 दिसंबर तक निरस्त करते हुए 1 जनवरी से शुरू करने की जानकारी दी थी। लेकिन बुधवार को भी यह फ्लाइट निरस्त ही रही। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर-दिल्ली फ्लाइट (आईएक्स- 2121-2122) सुबह 5 बजे दिल्ली से रवाना होकर 6.25 बजे इंदौर पहुंचना थी। इसे इंदौर से 6.55 बजे रवाना होकर 8.30 बजे वापस दिल्ली पहुंचना था। कंपनी ने इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी थी। बाद में इसे 31 दिसंबर तक के लिए निरस्त करते हुए 1 जनवरी से शुरू करने की घोषणा की थी। लेकिन बुधवार को भी कंपनी ने इस उड़ान को निरस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस उड़ान को 10 जनवरी तक ही चलाने की योजना थी। लेकिन सुबह एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया की दिल्ली के लिए पहले से ही एक-एक उड़ान होने के चलते इसके चलने की संभावना कम ही नजर आ रही है। इधर, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पिछले दिनों हैदराबाद के लिए नई उड़ान शुरू करने की घोषणा की थी। यह उड़ान 15 जनवरी से शुरू होगी। तय शेड्यूल के मुताबिक यह फ्लाइट शाम 4.40 बजे हैदराबाद से रवाना होकर 6.25 बजे इंदौर पहुंचेगी और यहां से 6.55 बजे रवाना होकर 8.25 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कल इंदौर पहुंचेंगे, होगा 'घोष वादन'

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में शुक्रवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत का आना तय हो गया है। वे इस दौरान मालवा और निमाड़ में तीन दिन तक रहेंगे। इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। भागवत जिन कार्यक्रम में शामिल होंगे वहां और संघ मुख्यालयों अर्चना और सुदर्शन पर पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भागवत इंदौर में दशहरा मैदान पर होने वाले घोष वादन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में 28 जिलों के स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसके साथ-साथ वह निमाड़ क्षेत्र में ओंकारेश्वर और मंडलेश्वर में आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। इसके साथ ही कुछ और कार्यक्रम भी हैं, जो संघ स्तर पर होंगे।

विहिप नेता चंपत राय को मिलेगा देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार संघ प्रमुख की मौजूदगी में देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार का एक आयोजन होगा। पूर्व लोकसभा स्पीकर और शहर की 8 बार सांसद रहीं सुमित्रा महाजन इस कार्यक्रम की सूत्रधार हैं। इस आयोजन में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता चंपत राय को इस वर्ष का देवी अहिल्याबाई होलकर पुरस्कार दिया जाएगा। चम्पतराय ये पुरस्कार उन हुतात्माओं की स्मृति में प्राप्त करेंगे, जो सैकड़ो वर्षों तक चले श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में वीरगति को प्राप्त हो गए थे। कार्यक्रम राजेंद्रनगर स्थित नए लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में होगा। आयोजन की तैयारियां देवी अहिल्या उत्सव समिति द्वारा तेज कर दी गई हैं। महाजन के नेतृत्व में इस आयोजन में संघ प्रमुख की उपस्थिति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, यह राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम पूरी तरह से दलीय राजनीति से परे है।

चार माह से चल रहा घोष वादन का अभ्यास

इंदौर में आयोजित घोष वादन कार्यक्रम 3 जनवरी तक चलेगा। इसमें संघ के मालवा प्रांत के 28 जिलों के 107 घोष केंद्रों से स्वयंसेवक शामिल होंगे। बीते 4 महीने से 1150 वादकों द्वारा नियमित अभ्यास किया जा रहा है। इनमें से 750 से अधिक चयनित वादक दशहरा मैदान में प्रस्तुति देंगे। घोष वादन संघ का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसकी अपनी अलग विंग होती है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी भी शामिल होंगे।

ओंकारेश्वर में कुटुंब प्रबोधन कार्यक्रम

भागवत इंदौर का कार्यक्रम संपन्न करने के बाद ओंकारेश्वर पहुंचेंगे, जहां साध्वी ऋतंभरा के आश्रम में वे ठहर सकते हैं। यहां भी एक बड़ा आयोजन कुटुंब प्रबोधन कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। इस आयोजन में भी स्वयंसेवक अपने परिवार के साथ शामिल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि भारतीय कुटुंब व्यवस्था से जुड़े इस आयोजन में देशभर से लोग जुटेंगे। कार्यक्रम साध्वी ऋतुम्भरा के आश्रम में होगा। साध्वी जी भी इस अवसर पर मौजूद रहेगीं। इसके साथ-साथ मंडलेश्वर में भी एक आयोजन होगा, जहां वे एक गौशाला में जाएंगे।

कंपकंपाने वाली ठंड में बीवी-बच्चों सहित धरने पर बैठे संविदा कर्मचारी

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। संविदा नीति में की गई अनुशंसा के अनुसार वेतनवृद्धि की मांग कर रहे कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी बुधवार को निगम मुख्यालय के सामने बीवी-बच्चों सहित धरने पर बैठ गए। कंपकंपाने वाली सर्दी में सुबह 10 बजे धरने पर बैठे कर्मचारी शाम 5 बजे तक डटे रहे। इस बीच निगम के डायरेक्टर राजू रावत ने कर्मचारियों को बताया कि उनकी वेतनवृद्धि की फाइल शासन को भेजी गई है, जल्द ही वेतन बढ़ जाएगा, पर कर्मचारी इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने तय किया है कि जब तक वेतनवृद्धि के आदेश जारी नहीं हो जाते हैं, ये धरना जारी रहेगा। वे ऑफिस टाइम में रोज मुख्यालय के सामने धरना देंगे। धरने में भोपाल सहित प्रदेशभर के कर्मचारी शामिल हुए हैं। पहले दिन 50 परिवार धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठे भोपाल के कर्मचारी दीपक

शर्मा का कहना है कि निगम के संचालक मंडल की 19 जुलाई 2024 को आयोजित बैठक में संविदा नीति लागू कर वेतनवृद्धि करने का निर्णय लिया है। बैठक की अध्यक्षता विभाग के प्रमुख सचिव ने की थी। इसके बाद भी डेढ़ माह से वेतनवृद्धि की फाइल मंत्रालय में घूम रही है। वे कहते हैं कि महंगाई के इस दौर में 10-15 हजार रुपए के वेतन में क्या होता है। इंदौर के हेमंत सागर, दतिया के नंदकिशोर कुशवाह और जबलपुर के कृष्ण कुमार मेश्राम ने कहा कि इतने वेतन में परिवार की जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे हैं। कई बार वेतनवृद्धि की मांग कर चुके हैं पर आदेश जारी नहीं हो रहे। इसलिए हमें मजबूरी में ऐसी ठंड में छोटे-छोटे बच्चों के साथ धरने पर बैठना पड़ रहा है। हमारी नहीं बच्चों की परेशानी ही देखकर सरकार जल्द आदेश जारी कर दे।

मप्र अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा का समर्थन

मध्यप्रदेश संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के बैनरतले किए जा रहे इस धरना-प्रदर्शन में मप्र अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा सहित अन्य कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए व आंदोलनकारियों को समर्थन दिया। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा कि कर्मचारियों को साल 2018 की नीति का भी लाभ नहीं मिला है। जैसे-तैसे साल 2023 की नीति का संचालक मंडल ने अनुमोदन किया, तो आदेश जारी नहीं हुए। यदि वेतनवृद्धि के आदेश जल्द जारी नहीं किए तो पूरे प्रदेश के समस्त विभागों के संविदा कर्मचारी धरने पर बैठ जाएंगे। इनके समर्थन में दूसरे कर्मचारी भी धरना प्रदर्शन शुरू कर देंगे।

इसलिए नाराज हैं संविदा कर्मचारी

संचालक मंडल ने 19 जुलाई 2024 को निगम के कर्मचारियों को संविदा नीति का लाभ देने का निर्णय लिया था, पर यह अब तक लागू नहीं हो सका। कर्मचारी इसी से नाराज हैं और नीति लागू होने तक लगातार आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। आदेश जारी नहीं होने के कारण संविदा कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्हें अभी 10 से 15 हजार रुपए ही मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा कि वेतनवृद्धि की फाइल पिछले डेढ़ माह से वल्लभ भवन में टेबल-दर-टेबल घूम रही है। यह स्थिति तब है जब विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा की अध्यक्षता में आयोजित संचालक मंडल की बैठक में संविदा नीति का लाभ देने का निर्णय लिया गया था। राठौर ने कहा कि यदि आदेश जारी नहीं किए गए तो पूरे प्रदेश में समस्त विभागों के संविदा कर्मचारी धरने पर बैठेंगे। धरने को संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी, निगम मंडल कर्मचारी समन्वय महासंघ के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव नीलू, लघु वेतन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, सेमी गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के अध्यक्ष अनिल बाजपेई, वाहन चालक संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह, जफर खान, नगर निगम कर्मचारी संघ के सुरसरि प्रसाद पटेल, निगम मंडल के कर्मचारी नेता श्याम सुंदर शर्मा ने संबोधित किया।

शिक्षक भर्ती में अतिथि शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षकों की भर्ती में अतिथि शिक्षकों को अब 50त्न आरक्षण मिलेगा। इसके लिए वहीं अतिथि शिक्षक पात्र होंगे, जिन्होंने 3 शैक्षणिक सत्रों में 200 दिन सरकारी स्कूलों में पढ़ाया हो। इसका लाभ अतिथि शिक्षकों को हाल ही में होने वाली शिक्षकों की भर्ती में मिलेगा। राज्य कर्मचारी चयन मंडल ने 10 हजार शिक्षकों की भर्ती का कार्यक्रम घोषित किया है। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) 2018 में संशोधन कर दिया है। इसका गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

प्रदेश में 72 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत

प्रदेश में 72 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। जिन्हें अब तक शिक्षकों की भर्ती में स्कोर कार्ड के हिसाब से 5 से 20 अंक का लाभ दिया जाता था। सरकार ने पहली बार अतिथि शिक्षकों को शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण का लाभ दिया है, लेकिन आरक्षित पदों की पूर्ति अतिथि शिक्षकों से न होने की स्थिति में रिक्त पदों को अन्य पात्र अभ्यर्थियों से भरा जाएगा।

महिलाओं के लिए भी हर श्रेणी में 50त्न आरक्षण

वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए रिक्त पदों के प्रत्येक प्रवर्ग के लिए 50त्न पद आरक्षित होंगे। जबकि 6 त्न पद दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित किए गए हैं। प्रदेश में शिक्षकों के अभी 80 हजार पद खाली हैं।

नियम आरक्षित वर्ग के पदों पर भी होंगे लागू

ये सेवा शर्तें आरक्षित वर्ग (अनुसूचितजाति, जनजाति, ओबीसी के लिए आरक्षित) पदों पर भी लागू होंगी। बशर्ते अभ्यर्थी उसी वर्ग का होना चाहिए।

अब चयन परीक्षा कराई जाएगी

इस नोटिफिकेशन के जरिए सरकार ने शिक्षकों के लिए चयन परीक्षा कराने का प्रावधान जोड़ा है। अभी तक पात्रता परीक्षा कराई जाती थी, उसे ही चयन परीक्षा के रूप में मान्यता दी गई थी, पर अब ऐसा नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग पात्रता परीक्षा कभी भी करा सकेगा, उसके लिए पद खाली होने की जरूरत भी नहीं है। यह परीक्षा हमेशा के लिए मान्य होगी। हालांकि चयन के लिए चयन परीक्षा अलग से कराई जाएगी।

साल के पहले दिन ही स्वास्थ्य केंद्र से गायब रहे डॉक्टर

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में काम करने वाले दो डॉक्टरों को साल के पहले दिन ही नोटिस मिल गई है।दअरसल भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बुधवार को गुनगा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी से 2 डॉक्टर गायब मिले। कलेक्टर इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों डॉक्टरों को नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों से बात की और समस्या पूछी। इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र की पेयजल टंकी को नल-जल योजना से जोड़ने के निर्देश संबंधित अफसरों को दिए। बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह बैरसिया क्षेत्र के दौरे पर निकले। सबसे पहले वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान डॉ. मेघ सक्सेना और डॉ. नीतू राजोरिया गैरहाजिर थे। जिस पर दोनों को नोटिस देने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। बच्चों और आशा कार्यकर्ता से बात की कलेक्टर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे। यहां पर शिविर लगाकर लोगों को योजनाओं का लाभ देने को कहा। साथ ही आमजन से संवाद किया और उनकी समस्याओं को दूर करने की बात कही। इसी गांव की आंगनवाड़ी केंद्र में भी कलेक्टर पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बात की और आशा कार्यकर्ता से केंद्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। चर्चा के बाद केंद्र की पानी की टंकी को नल-जल से जोड़ने को कहा। कलेक्टर सिंह शासकीय आम्रपाली उद्यान करौंदिया भी पहुंचे। यहां उद्यान की व्यवस्था का निरीक्षण किया और ग्राफ्टिंग टेक्नीक की जानकारी ली। सरपंच विजय शर्मा ने ग्राम पंचायत की नल-जल योजना में आ रही समस्या की जानकारी दी। वहीं, करौंदिया गांव में श्मशान भूमि की बाउंडरी बनवाने की मांग की।

महिला अपराधों में तीन प्रतिशत कमी पर बढ़ गए दहेज हत्या के मामले

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। साल 2024 भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने वर्ष 2024 के अपराधों के आंकड़े जारी कर दिए हैं। बीते वर्ष 2023 की अपेक्षा वर्ष 2024 में महिला अपराधों की संख्या में कमी आई है, लेकिन दहेज हत्या और हत्या के मामलों में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। भोपाल नगरीय पुलिस क्षेत्र में आबकारी के मामलों में पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक कार्रवाई की गई है। भोपाल पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में 14,805 गंभीर अपराध दर्ज हुए थे, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 14,392 हो गई है। महिला अपराधों में 3 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। माइनर एक्ट में 15 फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी 16 फीसदी तक कम हुई। महिलाओं की हत्या के मामले 57 प्रतिशत, दहेज हत्या के मामलों में भी रिकॉर्ड 86 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई है। हत्या और अपहरण के मामले भी 16 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि भोपाल में अपराध घटे हैं, जिस प्रकार के अपराधों में कमी दर्ज नहीं की गई है, उनको रोकने के लिए और बेहतर प्रयास किए जाएंगे। बीते वर्षों की अपेक्षा वर्ष 2024 में एनडीपीएस एक्ट में 167 कार्रवाई हुई। 2023 में 111 मामले सामने आए थे। आंकड़ों के लिहाज से ड्रग्स तस्करी में 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी जुई है। इस साल 365 जगह जुआ पकड़ा गया, जबकि बीते वर्ष जुआ एक्ट की 493 कार्रवाई की गई थी। सट्टा एक्ट की 2023 में 463, 2024 में 263 कार्रवाई हई हैं। कॉपीराइट एक्ट के मामलों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस एक्ट में इस साल छह कार्रवाई हुई, जबकि 2023 में सिर्फ 2 मामले थे। विस्फोटक पदार्थ अधिनियम में इस साल एक मामला सामने आया है। पिछले साल एक भी मामला नहीं था।

संभावना ट्रस्ट क्लिनिक के विदेशी चंदे पर लगी रोक हटाने की मांग

बेमुद्दत धरना प्रदर्शन शुरू

भोपाल। यूनियन कार्बाइड जहर पीड़ित इलाज अधिकार मोर्चा के सदस्यों ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। भोपाल गैस पीड़ितों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने वाला संभावना ट्रस्ट क्लिनिक के कर्मचारी और लाभार्थियों ने धरना प्रदर्शन किया। उनकी केंद्रीय गृह मंत्रालय से मांग है कि संभावना ट्रस्ट क्लिनिक पर एफसीआरए (फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट) रजिस्ट्रेशन पर लगी पाबंदी को तुरंत हटाया जाए। दरअसल 2019 में केंद्र सरकार ने एफसीआरए (फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट) के पोर्टल पर एनुअल ऑडिट रिपोर्ट अपलोड नहीं करने को लेकर इस ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया था। जबकि ट्रस्ट के पदाधिकारियों का

कहना है कि उन्होंने रिपोर्ट सबमिट की थी, लेकिन तकनीकी कारण से रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने रिपोर्ट उपलब्ध कराई, लेकिन उसे मान्य नहीं किया गया। इसके बाद नियमानुसार तीन साल बाद दोबारा संभावना ट्रस्ट क्लिनिक के नाम से एफसीआरए रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया गया, लेकिन 2020-21 में किया आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। अभी भी वह लंबित बता रहा है। संभावना ट्रस्ट क्लिनिक बाफना कॉलोनी बैरसिया रोड के कर्मचारी और धरना प्रदर्शन के संयोजक बीजू नायर ने बताया कि ट्रस्ट को देश और विदेश से गैस पीड़ितों के इलाज के लिए सहयोग करते थे, लेकिन रजिस्ट्रेशन कैंसिल होने से अब ट्रस्ट पर आर्थिक संकट आ गया है। ट्रस्ट को विदेशी फंड की प्राप्ति नहीं हो पा रही है। अब मजबूरी में क्लिनिक बंद करने की स्थिति है। गैस पीडितों के मुफ्त इलाज पर प्रतिवर्ष साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च होता है। विदेशों से आर्थिक सहयोग बंद होने से पीड़ितों के इलाज में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। 37 हजार रजिस्टर्ड गैस पीड़ितों के इलाज पर संकट मंडरा रहा है। बता दें, संभावना ट्रस्ट के क्लिनिक में 51 कर्मचारी कार्यरत हैं और रोजाना 100 से ज्यादा गैस पीड़ित मरीज इलाज के लिए आते हैं। पैसों की कमी के कारण डॉक्टरों और कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा चुकी है। वर्तमान में क्लिनिक में 37 हजार गैस पीड़ित पंजीकृत हैं, जिनका मुफ्त इलाज ट्रस्ट करता ।

क्राइम ब्रांच ने दो गांजा तस्करों को पकड़ा,1.20 लाख का मादक पदार्थ जब्त

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 11 किलो से अधिक गांजा अलग-अलग पैकेट में बंधा मिला है। दोनों युवक कार से गांजा खपाने का काम करते थे। उनकी कार को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। जब्त माल की कीमत 1.20 लाख रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई को मुखबिर की सूचना पर अंजाम दिया गया है। दोनों आरोपी बाय रोड ओडिशा से गांजा लाकर भोपाल में खपाने का काम करते थे।

एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मंगलवार की रात मुखबिर से सूचना मिली कि अग्रवाल होटल के पास टीआरपी गोविंदपुरा में कार खड़ी है। जिसमें सवार दो युवक गांजा तस्कर हैं और ग्राहक को डिलीवरी देने के इंतजार में खड़े हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार की तलाशी ली। पिछली और अगली सीट के नीचे 9 पैकेट मिले। सभी में गांजा रखा था। गांजे का कुल वजन करीब 11 किलो था। पूछताछ में आरोपियों ने बाय रोड ओडिशा से गांजा लाकर भोपाल में खपाने की बात स्वीकार की है।

आरोपी प्रकाश महलदार पिता विकास महलदार (32) निवासी ग्राम 104 तहसील मलकानगिरी थाना वालीमेला ओडिशा छठवीं कक्षा तक पढ़ा है। वह ड्राइवरी का काम करता है। दूसरा आरोपी संजय विश्वाश पिता माखन विश्वाश (48) निवासी ग्राम 104 तहसील मलकानगिरी थाना वालीमेला ओडिशा सातवीं कक्षा तक पढ़ा है और ड्राइवरी करता है।

31 दिसंबर की रात सर्च ऑपरेशन, 21 बदमाश छुरी के साथ गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल पुलिस ने 31 दिसंबर की रात सर्च ऑपरेशन चलाया। शहर के चारों जोन में गुंडे - बदमाशों पर एक्शन हुए। 21 बदमाशों को छुरी के साथ गिरफ्तार किया। सभी को जेल भेज दिया गया है। 123 बदमाशों को सर्च कर पूछताछ की गई। 75 लोगों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गई है। सभी शराब पीकर वाहन चला रहे थे। चैकिंग के दौरान करीब 700 वाहनों को भी चेक किया गया। टैफिक पुलिस ने कुल 216 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

50 प्रमुख पॉइंट पर तैनात रही पुलिस

पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि 31दिसंबर की रात शहर के 50 प्रमुख पॉइंट पर पुलिस के जवान बॉडी कैमरा और ब्रीथ एनालाइजर के साथ तैनात रहे। शहर में 100 चेकिंग पॉइंट पर 1500 अधिकारी कर्मचारी तैनात थे। संदेहियों को रोककर पूछताछ की गई। सभी आयोजन स्थलों पर रात दस बजे तक ही पार्टी करने की अनुमति दी गई थी।

रात 2 बजे तक जारी रही ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग

मंगलवार की शाम 6 बजे से सड़कों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिए थे। ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों की चेकिंग रात 2 बजे तक की। इस दौरान 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 75 लोगों पर कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान स्पीड रडार गन, इंटर सेप्टर वाहन भी मौजूद थे। ट्रैफिक पुलिस ने कुल 216 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

इन शर्तों के साथ दी गई थी जश्न की परमिशन

- कार्यक्रम स्थल पर अनुमानित लोगों की संख्या की जानकारी संबंधित थाने को देना।
-किसी भी कार्यक्रम में किसी तरह के प्रतिबंधित मादक पदार्थों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।
-कार्यक्रम स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने अनिवार्य थे।
-आयोजन स्थल पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था होनी अनिवार्य थी।
-धारदार हथियार लाने या रखने की अनुमति नहीं थी।

सम्पादकीय

विचलित करती है खुले बोरवेल में गिरकर होती बच्चों की मौत

आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर है कि किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती।

मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे-बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे-प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले-डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपए खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे-बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत- बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर है कि किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती।

निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दशार्ता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दशार्ता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर में हादसे की वजह बन जाते हैं। लापरवाही की हद तो यह है कि ऐसे बोरवेल किसानों के खेतों में ही नहीं, बल्कि सरकार की और से पेयजल सप्लाई के लिए गांव-कस्बों में खुदवाए गए भी हैं। इनमें पानी खत्म हो गया तो प्रशासन इन्हें भूल गया। ऐसे बोरवेल हादसे को न्यौता दे रहे हैं। यानी इससे कभी भी हादसा हो सकता है। इसके बावजूद न हम सजग हैं और न ही प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हमारी लापरवाही यह है कि हम इन्हें खुला छोड़ रहे हैं, और प्रशासन इसे अनदेखा कर रहा है। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाए जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके। संकट इस ओर भी इशारा करता है कि ऐसे मामलों में हमारा राहत व बचाव का तंत्र कितना शिथिल व निष्प्रभावी है। अकसर स्थिति जटिल होने पर सेना के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाती है। कई बार इतनी देर बाद सेना के विशेषज्ञों को बुलाया जाता है कि बच्चों के बचने की उम्मीद क्षीण हो चुकी होती है। निश्चित रूप से बोरवेल की देखरेख करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। ऐसे मामलों में लापरवाही दिखाने वाले अधिकारियों को दंडित करने की जरूरत है।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

मोहन यादव आज बीजेपी के नए नेतृत्व का चेहरा हैं। हालांकि खुद को वे पार्टी का विनम्र कार्यकर्ता ही बता रहे हैं। पार्टी का यह विनम्र कार्यकर्ता अपने ढंग से अपनी नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटा है। लेकिन यह कोशिश तभी कामयाब मानी जाएगी, जब देश-दुनिया के नक्शे पर मध्यप्रदेश नई पहचान के साथ उभर पाएगा। मध्यप्रदेश को लेकर मोहन यादव के अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें।

विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्यप्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्यप्रदेश शासन का हिस्सा रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को न सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है।

बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अकसर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वादे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्यप्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्यप्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे।

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में श्रीकृष्ण पाथेय परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। श्रीकृष्ण पाथेय के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तरप्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्यप्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिये दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्यप्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है।

पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्यप्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्यप्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्यप्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा।

कृषि विकास दर के लिहाज से मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्यप्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्यप्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले, इसके लिए प्रति महिला पांच हजार रुपए महीने उत्पादक को सब्सिडी देने की तैयारी है। इसी तरह राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं।

शासन में फिजूलखर्ची रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा, उन्हें संतुलित करने, विभागों को एक साथ लाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य सरकार थानों का परिसीमन सफलतापूर्वक कर चुकी है, इसी तर्ज पर प्रशासनिक परिसीमन की भी तैयारी है। इसी तरह अफसर-कर्मचारी अनुपात को भी तर्कसंगत करने की तैयारी है। मोहन यादव कहते हैं कि सरकारी तंत्र पर खर्च होने वाला हर पैसा नागरिक का होता है और उसका दुरूपयोग नहीं होने दिया जाएगा। मोहन यादव सरकार एक और अनूठी योजना लेकर आई है। मध्यप्रदेश पहला राज्य बन गया है, जहां सरकारी स्तर पर एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। आयुष्मान योजना के तहत आने वाले रोगियों को यह सुविधा जहां मुफ्त मिलेगी, वहीं सक्षम लोगों से इसके लिए फीस ली जाएगी। निजी और सरकारी सहयोग के आधार पर अस्पताल शुरू किए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी गोशालाएं बनाई जा रही हैं, जिन्हें नगर महापालिकाओं और नगर निगमों को दी गई है। केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी के हाथों हो चुकी है। मोहन यादव आज बीजेपी के नए नेतृत्व का चेहरा हैं। हालांकि खुद को वे पार्टी का विनम्र कार्यकर्ता ही बता रहे हैं। पार्टी का यह विनम्र कार्यकर्ता अपने ढंग से अपनी नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटा है। लेकिन यह कोशिश तभी कामयाब मानी जाएगी, जब देश-दुनिया के नक्शे पर मध्यप्रदेश नई पहचान के साथ उभर पाएगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय और वित्त मंत्री चौधरी के वित्तीय प्रबंधन की केंद्र सरकार ने की सराहना 250 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन अनुदान भी दिया।

रायपुर, केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के वित्तीय प्रबंधन और कुशल प्रशासन की प्रशंसा करते हुए राज्य को 250 करोड़ रुपये का विशेष प्रोत्साहन अनुदान दिया है। यह वित्तीय सहायता छत्तीसगढ़ द्वारा अपने बजट प्रबंधन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और राजस्व सुधारों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रदान की गई है।

केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए कई प्रभावी कदम उठाए हैं, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। राज्य ने अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रित करने के साथ-साथ विकास योजनाओं को गति देने में सफलता पाई है। इसके लिये छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी अपने विजन और नीतियों व इनको प्रभावी रूप से लागू करने के लिये बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री के साथ समन्वय कर कुशलता से राज्य में वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्र सरकार के इस प्रोत्साहन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह सम्मान छत्तीसगढ़ के लोगों और प्रशासन की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। यह प्रोत्साहन हमें और अधिक मेहनत करने और जनता की भलाई के लिए काम करने की प्रेरणा देगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में, राज्य सरकार ने आईटी आधारित वित्तीय प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे प्रशासन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित हुई है। इस डिजिटल सुधार की सराहना करते हुए, केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को 250 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन अनुदान प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस प्रोत्साहन के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि यह अनुदान राज्य की विकास योजनाओं को और गति देगा। छत्तीसगढ़ सरकार इस अनुदान का उपयोग अधोसंरचना विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जनहितकारी परियोजनाओं में करेगी, जिससे राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में कई नीतिगत सुधार लागू किए हैं, जिनमें डिजिटल तकनीक का उपयोग कर कर संग्रह में सुधार, कृषि क्षेत्र में निवेश, और सामाजिक कल्याण योजनाओं का विस्तार शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वित्तीय सहायता राज्य को अधोसंरचना विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

आर्थिक विशेषज्ञों ने इसे छत्तीसगढ़ की नीतियों और रणनीतियों की सफलता का प्रमाण बताया है। उनके अनुसार, इस तरह की वित्तीय मदद अन्य राज्यों को भी वित्तीय अनुशासन और प्रबंधन में सुधार के लिए प्रेरित कर सकती है।

छत्तीसगढ़ सरकार अब इस अनुदान का उपयोग राज्य की विकास योजनाओं को गति देने और जनहितकारी परियोजनाओं में करेगी। इस सराहना ने न केवल राज्य का उत्साह बढ़ाया है, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है। साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की इस पहल से छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक सुधार और विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इससे राज्य की जनता को बेहतर सेवाएं मिलेंगी और छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। इससे राज्य की जनता को बेहतर सेवाएं मिलेंगी और छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

बच्चों की कब्र बनते बोरवेलः प्रशासनिक लापरवाही और हमारी जिम्मेदारी

भारत में खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिनमें कई बार उनकी मृत्यु भी हो जाती है। इन घटनाओं के बावजूद, संबंधित विभागों के अधिकारी बोरवेलों को सुरक्षित करने में लापरवाही बरतते हैं, जिससे ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार घटित होती हैं।

ताज़ा कुछ उदाहरण ये हैं- (1) मध्य प्रदेश, गुना (दिसंबर 2024)= 10 वर्षीय सुमित अपने गांव पिपल्या में खेलते समय 140 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। 12 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। (2) राजस्थान, कोटपूतली (दिसंबर 2024)= 3 वर्षीय चेतना अपने पिता के खेत में खेलते समय 150 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई। लगभग 10 दिनों के बचाव प्रयासों के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी (3) राजस्थान, दौसा (दिसंबर 2024)= 5 वर्षीय मासूम बच्चा बोरवेल में गिर गया। बचाव कार्य जारी है, लेकिन ऐसी घटनाएं प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती हैं।

इन घटनाओं के बाद भी, संबंधित विभागों के अधिकारी बोरवेलों को कवर करने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। यह आपराधिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है, क्योंकि उनकी जिम्मेदारी है कि वे ऐसे हादसों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए के तहत, यदि किसी व्यक्ति की लापरवाही से किसी की मृत्यु होती है, तो वह आपराधिक कृत्य माना जाता है। बावजूद इसके, बोरवेल हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ शायद ही कोई कठोर कार्रवाई होती है, जिससे उनकी जवाबदेही पर सवाल उठते हैं।

इस समस्या के समाधान के लिये कई कदम उठाए जाने ज़रूरी हैं (1) सख्त नियमों का पालनः बोरवेल खुदाई के बाद उन्हें तुरंत कवर करना अनिवार्य किया जाए, और इसका उल्लंघन करने वालों पर कठोर दंड लगाया जाए।(2) निगरानी और निरीक्षणःस्थानीय प्रशासन को नियमित रूप से क्षेत्रों का निरीक्षण करना चाहिए ताकि खुले बोरवेल की पहचान कर उन्हें बंद किया जा सके। (3) जनजागरूकता ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बोरवेल की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि वे स्वयं भी सतर्क रहें और बच्चों को ऐसे स्थानों से दूर रखें। (4) तकनीकी समाधानःबोरवेल में गिरने की घटनाओं को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि बोरवेल कवर पर सेंसर लगाना, जो किसी भी अनधिकृत पहुंच की सूचना तुरंत दे सके।

बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं न केवल प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती हैं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाती हैं। यदि संबंधित विभागीय अधिकारी और समाज मिलकर इन समस्याओं का समाधान नहीं करते, तो भविष्य में भी ऐसी दुखद घटनाएं होती रहेंगी। समय की मांग है कि हम सभी मिलकर इन हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

इन घटनाओं की गंभीरता को समझते हुए, हमें तत्काल प्रभाव से बोरवेल सुरक्षा मानकों को लागू करना चाहिए और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

नववर्ष की शुरूआत पर देवालयों में लगा रहा पूजन के लिए तांता

लोगों ने आहुतियां डालकर मंगलकामनाएं की

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जिलेभर में लोगों ने नये वर्ष का स्वागत पूरे उत्साह-उमंग के साथ किया और वे सुबह से लेकर शाम तक देवालयों में अपने आराध्य की पूजा-अर्चना में जुटे रहे। इसीके साथ लोगों ने रेस्टोरेंट, होटलों और अन्य स्थानों पर परिवार के साथ पिकनिक मनाकर नये साल का जश्न मनाया। उल्लेखनीय है कि दिसंबर माह की अंतिम रात 31 तारीख पर जिलेभर के लोगों में नये साल के आगमन को लेकर काफी उत्साह दिखाई दे रहा था और इसी उत्साह के चलते थर्टी फर्स्ट की रात नये साल के स्वागत की तैयारियों में डूबी रही। रात 12 बजे लोगों ने अपने-अपने अंदाज से नववर्ष की खुशियां मनाईं। साथ ही एक जनवरी बुधवार को भी दिनभर

जश्न का माहौल रहा। 2025 के पहले दिन किसी ने पिकनिक पर जाकर जश्न मनाया तो किसी के दिन की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई। शहर के रेस्टोरेंटों पर भी जायकेदार व्यंजनों का नये साल के उपलक्ष्य में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। साथ ही आतिशबाजी और मिठाईयां खिलाकर नूतन वर्ष का अभिवादन किया गया। नये साल को लेकर शहर के रेस्टोरेंट और होटलों में भी खास तैयारी की गई थी। स्पेशल डिश के साथ ही मनोरंजन की भी व्यवस्था रही। वहीं लाइट एवं रंगबिरंगे बैलून से होटलों को खुब सजाया गया था।

हवन-पूजन के साथ किया नव वर्ष का स्वागत वर्ष 2025 के पहले दिन की खुशियां हर किसी ने अपने अंदाज से सेलिब्रेट कर मनाई। एक ओर जहां होटलों और रेस्टोरेंटों में इस दिन भीड़ रही तो वहीं नगर के प्रसिद्ध राजराजेश्वरी माता मंदिर, मंगलनाथ महादेव, खेड़ापति हनुमान, बालवीर हनुमान, मुरादपुरा हनुमान, ओंकारेश्वर महादेव सहित अन्य देवालयों में सुबह से लेकर शाम तक नव वर्ष के मंगलमय होने की कामना को लेकर पूजा-अर्चना की गई। साथ ही स्थानीय एबी रोड स्थित नित्यानंद आश्रम में महादेव का महाभिषेक भक्तों द्वारा किया गया। हवन.कुंड में सपरिवार लोगों ने आहुतियां डालकर मंगलकामनाएं की।

घने कोहरे के साथ हुई सुबह की शुरूआत, तापमान में गिरावट

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। सर्द हवाओं का सितम लगातार बढ़ता ही जा रहा है और अब सुबह की शुरूआत भी घने कोहरे की धुंध के साथ हो रही है। सर्द हवाओं की सरसराहट की वजह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी गिरावट का सिलसिला बना हुआ है, जिसकी वजह से अब रात के साथ ही दिन के समय भी लोगों को तेज ठंड का ऐहसास हो रहा है और उन्हे राहत पाने के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं मौसम विशेषज्ञ की मानें तो आगामी दिनों में मौसम बेहद सर्द साबित होने वाला है। उल्लेखनीय है कि समूचे अंचल को शीत लहर ने अपनी आगोश में लेकर ठिठुराना शुरू कर दिया है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया उत्तरी सर्द हवाओं की वजह से बुधवार को न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम

तापमान 19.2 डिग्री पर जा पहुंचा।

छाई रही कोहरे की धुंध गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से दिन मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है जिसके चलते तापमान में भी कभी गिरावट तो कभी बढ़ोत्तरी बनी हुई थी, लेकिन बुधवार को मौसम ने करवट बदली और सुबह की शुरूआत घने कोहरे के साथ हुई और कोहरा दिनभर शहर को अपनी आगोश में समेटे रहा। वहीं मौसम विभाग की मानें तो इसी सप्ताह में रात का तापमान लुढक़र 8 डिग्री से भी नीचे जाने की संभावना है और और शीतलहर का सितम बरकरार बना रहेगा। याने शहर के लोगों को रात के साथ दिन में भी बेचैनी का सामना करना पड़ेगा।

करणी सेना परिवार ने किया जिला उपाध्यक्ष और संभाग अध्यक्ष का स्वागत

भगवान दास बैरागी ।सिटी चीफ शाजापुर, नव नियुक्त करणी सेना परिवार के जिला उपाध्यक्ष अनोपसिंह राजपूत और संभाग अध्यक्ष पर नियुक्त हुई महिला क्षत्राणी की रचना मनोजसिंह जादौन का करणी सेना परिवार द्वारा शाजापुर जिला मीडिया प्रभारी सोनू बना सांपखेड़ा के नेतृत्व में स्वागत पुष्पमाला पहनाकर किया गया। सोनू बना सांपखेड़ा ने बताया कि करणी सेना के मुखिया जीवनसिंह शेरपुर, प्रदेश सचिव अजीतसिंह डोडिया और प्रदेश संगठन मंत्री शैलेन्द्रसिंह झाला के आदेश अनुसार संगठन को मजबूती और नई दिशा प्रदान करने के लिए युवाओं को मौका दिया जा रहा है, जिसके तहत नवीन पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पदाधिकारियों का स्वागत करते समय सर्व समाज और करणी सेना परिवार के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कलेक्टर सुश्री जैन ने घंसौर विकासखण्ड के सीएम राइस स्कूल एवं उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हेमंत कुमार रजक । सिटी चीफ सिवनी, कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन ने बुधवार 1 जनवरी को घंसौर विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों एवं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर सुश्री जैन ने सीएम राइस स्कूल घंसौर का निरीक्षण करते हुए स्कूल की साफ- सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त कर प्राचार्य को सफाई कराने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह स्कूल भवन निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार कार्यो के लिए निर्माण एजेंसी को दिये हैं। कलेक्टर सुश्री जैन ने स्कूल भूमि का सीमांकन करने के निर्देश भी राजस्व अधिकारियों को दिये हैं।

कलेक्टर सुश्री जैन ने केदारपुर एवं झिंझरई उपार्जन केंद्र का भी निरीक्षण कर पंजीकृत किसानों से आज तक हुई खरीदी एवं भुगतान के सम्बंध में केंद्र प्रभारी से जानकारी ली। उन्होंने उपार्जित धान के त्वरित उठाव के निर्देश अधिकारियो के दिये। इसके अतिरिक्त आकस्मिक बारिश की सम्भावना को ध्यान जरूरी व्यवस्था के लिये निर्देशित किया। कलेक्टर सुश्री जैन ने जल निगम के अधिकारियों को झुरकी समूह नलजल योजना के प्रत्येक ग्राम में पेयजल की व्यवस्थित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नवजीवन विजय, एसडीएम श्री बिसन सिंह सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही।

शहीद भगत सिंह सुपर सिक्स टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

रेलवे कॉलोनी धनपुरी नें बुढार को हराकर जीता मैच, मुख्य अतिथि रहे समाजसेवी - पवन चीनी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, कोयलांचल क्षेत्र के धनपुरी में चल रहे शहीद भगत सिंह सुपर सिक्स टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि नगर परिषद बरगवां अमलाई के पार्षद व समाजसेवी पवन चीनी ने धनपुरी नंबर 1यज्ञ स्थल मैदान में खेल का शुभारंभ करते हुए कहा की कोयलांचल क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, कमी है तो मैदान या उचित मंच की। सिर्फ खेल मैदान न होने के चलते छोटे जगह मैदान पर ही खेल का मनोरंजन देखा जाता है क्रिकेट, फुटबॉल खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की कोई कमी नहीं है हमारे नगर में अगर खेल ग्राउंड प्रशिक्षण करने वाले इन प्रतिभाओं को मिल जाए तो निश्चित ही धनपुरी युवाओं को नई ऊंचाई प्राप्त करने में मदद मिल सकती हैं।

फाइनल मैच होगा 5 जनवरी को शहीद भगत सिंह सुपर सिक्स टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ 28 दिसंबर को किया गया था जिसका समापन 5 जनवरी को होगा। इस प्रतियोगिता में 32 टीमें भाग ले रही है। प्रतिदिन 5 टीमो खेल सुबह 11 बजे से शायं 5 बजे तक सफल खेल मनोरंजन का लुत्फ हजारों दर्शक उठा रहे हैं।शहीद भगत सिंह सुपर सिक्स टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि पवन चीनी तथा विशिष्ट अतिथि दीपक लालू रहे। खेल की शुरुआत धनपुरी यज्ञ स्थल मैदान में आईसीसी रेलवे कॉलोनी

धनपुरी और टीआर एस बुढार के खिलाड़ियों के बीच खेला गया जिसमें सर्वप्रथम खिलाड़ियों का परिचय मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन चीनी व विशिष्ट अतिथि दीपक माझी के द्वारा कराया गया, मुख्य अतिथि द्वारा सिक्का उछाल कर खेल का शुभारंभ किया गया। क्रिकेट कमेंट्री अंकित सिंह के द्वारा बखूबी कमेंट्री करते हुए नजर आए।

रेल्वे कालोनी नें जीता मैच आईसीसी रेलवे कॉलोनी धनपुरी और टीआरएस बुढार के बीच खेल की शुरुआत की गई जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे कॉलोनी धनपुरी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही दो विकेट जल्दी गिर गए, जिसके बाद मनीष ने लगातार तीन छक्के व 4 चौके मारकर आगे बढ़ाया जिससे रेलवे कॉलोनी धनपुरी का स्कोर 160 बना, वहीं दूसरी पारी में टीआरएस बुढार की शुरुआत खराब रही जिससे पूरी टीम के खिलाड़ी 122 रन बना कर ऑल आउट हो गए,जिससे रेलवे कॉलोनी धनपुरी नें मैच को 38 रनों से जीत लिया।

कमेटी का मिल रहा है भरपूर सहयोग धनपुरी नंबर 1 यज्ञ स्थल मैदान में शहीद भगत सिंह सुपर सिक्स क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन समिति के संरक्षक एसपी सिंह,दीपक मांझी, मारकंडेय सिंह, मिनेश अग्रवाल, अंकित सिंह, पवन मिश्रा, दीपांशु वर्मा, राज राणा का पूरा सहयोग मिला रहा है। प्रतिदिन मुख्य अतिथियों के द्वारा विजय टीम को शील्ड प्रदान किया जाता है। टूर्नामेंट का आयोजन यूथ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में किया जा रहा है। फाइनल में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 11000 रूपये नगद व उपविजेता टीम को 5100 रूपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

केंद्र सरकार राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करें - भगत सिंह वर्मा

पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर ही समस्याएं हल होंगी - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का हल पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण से होगा। उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। युवा शक्ति रोजगार के लिए दर दर की ठोकरे खा रही हैं। उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होना चाहिए इसके लिए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा का संघर्ष जारी है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर बनने वाला प्रथम पश्चिम प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सबसे धनवान और विकसित राज्य होगा। जिसमें शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और सभी को निःशुल्क होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिले प्रदेश सरकार को 80त्न राजस्व देते हैं इसके बावजूद भी यहां एक भी एम्स नहीं है, आईआईएम नहीं है, आईआईटी नहीं है, स्पोर्ट यूनिवर्सिटी और बेहतर यूनिवर्सिटी नहीं है। सभी विभागों के मुख्यालय व संस्थान लखनऊ और पूर्वांचल में है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे घटिया शिक्षा और चिकित्सा की व्यवस्था

है। उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय बिहार के बाद सबसे कम है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 25 करोड़ है और यह एक राज्य है जबकि अमेरिका की जनसंख्या 35 करोड़ है और वहां 50 राज्य हैं। इसीलिए अमेरिका विकसित देश है। छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कहा कि राज्य पुनर्गठन आयोग को गठित करके उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण कराया जाए, सहारनपुर और मेरठ में दो एम्स स्थापित कराए जाएं, मेरठ में आईआईटी की स्थापना कराई जाए और आईआईएम भी बनाया जाए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना कराई जाए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए नगर निगम पार्षद हाजी इमरान सैफी ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसलिए हम सब लोग भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के साथ हैं। पार्षद हाजी इमरान सैफी ने कहा कि अलग राज्य की लड़ाई के लिए सभी को आगे आकर संघर्ष करना होगा। बैठक का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण की लड़ाई घर-घर पहुंचाई जा रही है और जल्द ही यह बड़ा जन आंदोलन बनने जा रहा है। बैठक में पार्षद इमरान सैफी व उनकी टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा का जोरदार स्वागत किया और अलग राज्य की लड़ाई में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। बैठक में राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य रजत शर्मा, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, अकमल गौड़, समाजसेवी जीशान अली सैफी, हामिद सैफी, अकबर सैफी, मोहम्मद वसीम, तस्लीम सलमानी, मोहम्मद सादिक, मतीन सैफी, शरीफ अहमद, जावेद अख्तर, मोहम्मद एहतेशाम, रिहान अली, मुस्तकीम आदि ने भाग लिया।

जिलाधिकारी ने बेहट क्षेत्र में पर्यटन विभाग की निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का किया निरीक्षण

परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल बेहट क्षेत्र में स्थित शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में पर्यटन विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण किया। राही पर्यटक आवास और थीम पार्क की बेहतर भूमि के चिन्हीकरण हेतु कई स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने पंचमुखी मंदिर के पास की जमीन पर थीम पार्क बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यदायी संस्था और संबंधित विभाग आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें। आमजन की सुविधाओं के अनुसार स्थल का चयन करते हुए पार्किंग की क्षमता बढाई जाए।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बेहट-शाकुम्भरी मार्ग के चौडीकरण के कार्य की गुणवत्ता को भी परखा। उन्होने पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देश दिए कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में टीएफसी, पार्किंग, ऑपन ऐयर थिएटर, राही पर्यटन आवास गृह, लैण्डस्केपिंग, फुटपाथ, म्यूरल्स स्कल्पचर्स वाटर फाउण्डेशन, शक्तिपीठ में प्रवेश द्वार काम्पलेक्स, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, साइनेज की स्थापना, पर्यटन सुविधाओं का सृजन, शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में 51 शक्तिपीठों पर आधारित थीम पार्क के कार्य किए जाने है।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, उप निदेशक पर्यटन श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पांच अभियुक्तगणों को किया गिरफ्तार

कब्जे से चोरी गये हिच व बोगी एवं घटना में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर बिना न0 प्लेट तथा 5500/– रुपये नकद हुए बरामद

बड़गांव । सहारनपुर, पुलिस ने तीन दिन पूर्व गांव मौरा में गन्ने से लदी बुग्गी चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ट्रैक्टर व बुग्गी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि तीन दिन पूर्व गांव मौरा निवासी किसान राजवीर की गांव में ही खड़ी गन्ने से भरी हिच बुग्गी की चोरी कर ली गई थी। पुलिस ने गांव झबीरन निवासी संजय पुत्र बाबू, नयागांव निवासी करण पुत्र मुनेश तथा लोकेंद्र व राहुल पुत्रगण कलीराम, टिंकू पुत्र राजेंद्र सैनी निवासीगण रंगाना थाना झिंझाना

जिला शामली को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी लोकेश ने बताया कि फाइनेंस के ट्रैक्टर की किस्त चुकाने के लिए अन्य साथियों के साथ मिलकर बुग्गी चोरी की थी।

सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने लखनऊ में हुए इंडियन स्पोर्टस नेशनल गेम्स के तहत कबड्डी प्रतियोगिता में आयु वर्ग 14 और 17 में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। स्कूल में सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य रुपेश कुमार सैनी ने बताया कि 27, 28 और 29 दिसम्बर को लखनऊ में हुए इंडियन स्पोर्टस नेशनल गेम्स 2024 में उनके स्कूल के बच्चों ने उत्तर प्रदेश की ओर से चयनित होकर प्रतिभाग किया है। कबड्डी प्रतियोगिता की आयु 14 वर्ग में कार्तिक, देव त्यागी, तनिष्क, आयुष, तथागत, लविश एवं विराट ने जबकि आयु 17 वर्ग में

अभिषेक सैनी, वंश सैनी, इशांत त्यागी, अक्षित, हारून अली और अभिषेक चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल के संरक्षक हरि सिंह सैनी ने कहा कि खेल शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन भी लेकर आता है। एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान यही है कि वह हार जीत के भेद को छोडक़र अपना शत-प्रतिशत दे। इस दौरान सभी खिलाड़ियों और उनके कोच संदीप कुमार का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान शिव कुमार सैनी, अनीता सैनी, वंदना ध्रुव आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय लगभग 356 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 228 विकास कार्यों का देंगे सौगात

विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

गणेश वैष्णव । सिटी चिफ

जगदलपुर, प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय गुरूवार को अपने एक दिवसीय बस्तर जिले के प्रवास पर कुल 356 करोड़ 44 लाख रूपए से अधिक लागत के 228 विकास कार्यों की सौगात बस्तरवासियों को देंगे। जिसके तहत विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर-84 के अन्तर्गत 13 विकास कार्यों सहित विधानसभा क्षेत्र बस्तर-85 के 20, विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर-86 के 47 तथा विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट-87 के अन्तर्गत 19 कुल 188 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत के 99 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर-84 के अन्तर्गत 10 विकास कार्यों सहित विधानसभा क्षेत्र बस्तर-85 के 20, विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर-86 के 52 तथा विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट-87 के अन्तर्गत 47 कुल 168 करोड़ 04 लाख रूपए की लागत के 129 विकास कार्यों भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर के अन्तर्गत 05 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से ग्राम फरसागुड़ा से पखनाकोंगेरा मार्ग में निर्मित वृहद पुल सहित 05 करोड़ 47 लाख रूपए की लागत से निर्मित ग्राम सोरगांव से जामगांव मार्ग पुल-पुलिया सहित कुल 24 करोड़ 15 लाख रूपए की लागत से 13 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र बस्तर के अन्तर्गत 06 करोड़ 08 लाख रूपए की लागत से निर्मित ग्राम छोटेदेवड़ा-आवराभाटा से जैतगिरी-पाहुरबेल मार्ग, 04 करोड 39 लाख रूपए की लागत से निर्मित भैंसगांव-ठोटीपारा से अलवाही मार्ग, 03 करोड रूपए की लागत से निर्मित बोदरा से चीड़ीघाट मार्ग, 02 करोड़ 56 लाख रूपए की लागत से निर्मित देउरगांव मोंगरापाल मार्ग सहित कुल 45 करोड़ 41 लाख रूपए की लागत से 20 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर के अन्तर्गत 42 करोड़ 81 लाख रूपए की लागत से निर्मित जगदलपुर बायपास मार्ग तथा 03 करोड़ 03 लाख रूपए की लागत से निर्मित रेट्रोफिटिंग जल प्रदाय योजना नेतानार, 03 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित परपा में आजीविका संवर्धन एवं प्रशिक्षण केन्द्र भवन सहित कुल 80 करोड 14 लाख रूपए की लागत के 47 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट के अन्तर्गत 12 करोड़ 91 लाख रूपए की लागत से निर्मित तोकापाल से करंजी मार्ग, 06 करोड़ 21 लाख रूपए से निर्मित लालागुड़ा-रावतपारा से पुजारीपारा मार्ग, 04 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत से बड़े धाराउर-पारापुर मार्ग में नानी बहार नाला पर उच्च स्तरीय पुल सहित कुल 38 करोड़ 68 लाख रूपए से अधिक लागत के 19 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय अपने बस्तर प्रवास के दौरान विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर के अन्तर्गत 02 करोड़ 97 लाख रूपए विश्रामपुरी जलाशय बांध में नवीन स्लूस वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर निर्माण कार्य, 02 करोड़ 95 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली तुरपुरा जलाशय बांध में नवीन स्लूस वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर निर्माण, 02 करोड़ 68 लाख की लागत से निर्मित की जाने वाली कुम्हली एनिकट कम काजवे जीर्णोद्धार कार्य तथा 02 करोड़ 27 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली अमलीगुड़ा एनिकट कम काजवे जीर्णोद्धार कार्य सहित कुल 13 करोड़ 28 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र बस्तर के अंतर्गत 05 करोड़ 16 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली बागमोलाई-02 स्टापडेम सह पुलिया निर्माण कार्य, 02 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली कुम्हडाकोट - बेलगुड़ा से मोंगरापाल सड़क निर्माण कार्य तथा एक करोड़ 91 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली 50 सीटर पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास भवन बस्तर सहित कुल 17 करोड़ 53 लाख रूपए से अधिक लागत से निर्मित की जाने वाली 20 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर के अंतर्गत 31 करोड़ 62 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली जगदलपुर से चित्रकोट मार्ग चैड़ीकरण कार्य, 02 करोड़ 97 लाख रूपए से गणेश बाहर नाला में स्टापडेम का काजवे निर्माण कार्य ग्राम ताईपदर, 02 करोड़ 93 लाख रूपए से सिचाई कालोनी बोधघाट एवं मण्डी कालोनी व निर्मल कालोनी जगदलपुर में सड़क एवं अहाता निर्माण कार्य सहित कुल 68 करोड़ 80 लाख रूपए से निर्मित की जाने वाली 52 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। वहीं चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 04 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली मुनगाबहार व्यपवर्तन योजना नहर निर्माण कार्य, 03 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली पैदापारा मण्डवा स्टापडेम सह पुलिया निर्माण, 02 करोड़ 98 लाख रूपए की लागत से हर्राकोडेर-पिच्चीकोडेर से अमलीधार मार्ग में स्पॉन स्लैब कलर्वट निर्माण सहित कुल 68 करोड़ 42 लाख रूपए से अधिक की लागत से निर्मित की जाने वाली 47 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

अबूझमाड़ के मसपुर में कराया गया सफल संस्थागत प्रसव

शासन-प्रशासन के प्रयासों से सुदूर अंचलों में पहुंच रही सुविधाएं

गणेश वैष्णव । सिटी चिफ

नारायणपुर, जिले के ओरछा विकासखंड के अंतर्गत स्थित मसपुर, एक सुदूर और दुर्गम क्षेत्र है। यहां के ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशान में जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों को चिन्हांकित कर राज्य सरकार के नियद नेल्लानार योजनांतर्गत जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीणों का उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर अंचलों तक पहुंचाने के इसी क्रम में 11 दिसंबर को मसपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में श्रीमती जूरी उसेंडी का सफल संस्थागत प्रसव कराया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार- श्रीमती जूरी उसेंडी को पिछले नौ महीनों से स्थानीय एएनएम द्वारा नियमित रूप से ट्रैक किया जा रहा था। इस दौरान उन्हें चार एएनसी (एंटीनेटल केयर) जांच कराई गईं और संस्थागत प्रसव के महत्व को समझाते हुए जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास से जूरी का सुरक्षित प्रसव संभव हो सका। प्रसव के बाद जूरी और उनका नवजात शिशु दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नवजात को बीसीजी, हेपेटाइटिस बी और पोलियो की 'ओ' खुराक जैसे सभी आवश्यक टीके लगाए गए।

जननी सुरक्षा योजना का लाभ- सफल प्रसव के बाद जूरी उसेंडी को जननी सुरक्षा योजना के तहत् 1,400 रुपये की धनराशि उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। यह योजना मातृ और शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए संचालित है।

दुर्गम क्षेत्र में सरकार की उपस्थिति - मसपुर जैसे सुदूर क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन और स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता शासन और प्रशासन की उपस्थिति और जिम्मेदारी को दर्शाता है। स्वास्थ्य कर्मियों और अधिकारियों के प्रयासों ने न केवल जूरी के प्रसव को सुरक्षित बनाया बल्कि ग्रामीणों के बीच सरकारी योजनाओं के प्रति भरोसा भी बढ़ाया।

भीमा कोरेगांव शौर्य दिवसः बुरहानपुर में बाइक रैली, पूर्व विधायक शेरा भैया और युवा नेता हर्षित ठाकुर कार्यवाहक अध्यक्ष जिला कांग्रेस ने किया स्वागत

बुरहानपुर- भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को बुरहानपुर में भव्य शौर्य बाइक रैली आयोजित की गई। इस रैली में सैकड़ों युवाओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक एकता, शौर्य और समानता के संदेश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। इस मौके पर पूर्व विधायक शेरा भैया और कांग्रेस युवा नेता हर्षित ठाकुर ने विशेष रूप से उपस्थित होकर बाइक रैली का स्वागत और प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। दोनों नेताओं ने आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए एकता और भाईचारे के महत्व पर जोर दिया। बाइक रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और बाबा साहेब

अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने भीमा कोरेगांव की ऐतिहासिक गाथा को याद करते हुए शौर्य दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला रैली में क्षेत्रीय जनता ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर एकजुटता का परिचय दिया। इस आयोजन ने सामाजिक और ऐतिहासिक चेतना को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाई।

केलेण्डर 2025 का विमोचन

श्री माहेश्वरी युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र, इंदौर के द्वारा प्रकाशित केलेण्डर 2025 का विमोचन यूथ एंटरप्रेन्योर सावन लड्ढा, उद्योगपति रोहित सोमानी एवं निर्मलकान्त बागड़ी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। संगठन के अध्यक्ष मधुरम् राठी ने बताया इस केलेण्डर में माहेश्वरी समाज के तीज-त्योहारों की जानकारी के साथ वल्लभ सम्प्रदाय एवं रामानुज सम्प्रदाय की तिथियों का भी समावेश है। बैंक की छुट्टियों को अलग रंग से दर्शाया गया है। कैलेंडर प्रकाशन में सहयोग के लिए सभी विज्ञापनदाताओं एवं युवा साथियों का आभार मंत्री अरविंद करनाणी ने माना। कार्यक्रम में राकेश लखोटिया, शैलेष सोड़ानी, प्रकाश लखोटिया, उज्जवल चांडक, सुयश साबू, प्रशांत बिहानी, मनोज राठी, सुमित होलानी, विकास मूंदड़ा आदि युवा साथी उपस्थित थे।

शौर्य दिवस के उपलक्ष में बुरहानपुर में निकली भीमआर्मी की विशाल बाइक रैली

बुरहानपुर जिला अंतर्गत ग्राम लोनी में प्रतिवर्ष 1 जनवरी शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन भीम आर्मी के तत्वाधान में विशाल मोटरसाइकिल रैली यात्रा निकल जाती है इस दरमियान ग्राम लोनी से रैली प्रारंभ होती है और जिले के विभिन्न मार्गो से होते हुए डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर प्रतिमा के पास में समापन होता है इसी के चलते हुए इस बार भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ समाज सेवाओ का सम्मान किया गया जिसमें 50 से अधिक समाज सेवीओ को गोल्ड मेडल, सर्टिफिकेट, फूल माला और नीला गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दत्तू मेढे ने बताया कि यह आयोजन इसलिए किया जाता है कि इस दिन हमारे 500 महार योद्धाओं ने 28 हजार पेशवा को सम्मान स्वाभिमान के लिए युद्ध में पराजित किया था। जिसका खुलासा डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा किया गया था उस दिन से पूरे देश में इस दिन को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है । प्रतिवर्ष की तरह 1 जनवरी को ही बुरहानपुर में भी विशाल बाइक रैली और झांकी में विजय स्तंभ कोरेगांव बनाया गया था , सबने मानवंदना के साथ में वीर शहीदों की शहादतो को अभिवादन किया गया । जिसमें समाज के समस्त संगठनों ने भाग लिया।

और राजनीतिक,सामाजिक दलों एवं संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर रैली का स्वागत किया ,और अधिक अधिक समाजसेवी शामिल हुई है।

साल के पहले दिन ही स्वास्थ्य केंद्र से गायब रहे डॉक्टर

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में काम करने वाले दो डॉक्टरों को साल के पहले दिन ही नोटिस मिल गई है।दअरसल भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बुधवार को गुनगा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी से 2 डॉक्टर गायब मिले। कलेक्टर इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों डॉक्टरों को नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों से बात की और समस्या पूछी। इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र की पेयजल टंकी को नल-जल योजना से जोड़ने के निर्देश संबंधित अफसरों को दिए। बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह बैरसिया क्षेत्र के दौरे पर निकले। सबसे पहले वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान डॉ. मेघ सक्सेना और डॉ. नीतू राजोरिया गैरहाजिर थे। जिस पर दोनों को नोटिस देने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। बच्चों और आशा कार्यकर्ता से बात की कलेक्टर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे। यहां पर शिविर लगाकर लोगों को योजनाओं का लाभ देने को कहा। साथ ही आमजन से संवाद किया और उनकी समस्याओं को दूर करने की बात कही। इसी गांव की आंगनवाड़ी केंद्र में भी कलेक्टर पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बात की और आशा कार्यकर्ता से केंद्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। चर्चा के बाद केंद्र की पानी की टंकी को नल-जल से जोड़ने को कहा। कलेक्टर सिंह शासकीय आम्रपाली उद्यान करौंदिया भी पहुंचे। यहां उद्यान की व्यवस्था का निरीक्षण किया और ग्राफ्टिंग टेक्नीक की जानकारी ली। सरपंच विजय शर्मा ने ग्राम पंचायत की नल-जल योजना में आ रही समस्या की जानकारी दी।

भारतीय किसान संघ तहसील की मासिक बैठक संपन्न हुई

खरगोन

कसरावद - विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम सत्येंद्र बैरवा को ज्ञापन सोपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि मंडी में सीसीटीवी कैमरे लगाए जावे ,काफी दिनों से कृषि भवन में पानी छत से टपक रहा है किसानो की बैठक में असुविधा का सामना करना पड़ता है मंडी कपास व्यापारी के द्वारा मंडी में कपास खरीदी करे नहीं तो उनका लाइसेंस धारा 33 के तहत निरस्त किया जावे तहसील कसरावद के बंद पड़ी मिट्टी प्रशिक्षण प्रयोगशाला कई वर्षों से बंद पड़ी है चालू कराई जावे, अधिकतर किसान मिट्टी प्रशिक्षण नहीं कराते हैं दवाई कंपनियों के एजेंट और दुकानदारों की बातें मानकर खेतों में एक जैसा

कीटनाशक फर्टिलाइजर डालते रहते हैं जो फसल का नुकसान पहुंच रहा है यदि वह प्रशिक्षण कर ले तो उन्हें और स्पष्ट हो जाएगा कौन सा तत्व की जरूरत है कितनी मात्रा में डालना है इस दौरान भारतीय किसान संघ अध्यक्ष बाबूलाल तिरोले, तहसील मंत्री सुनील पटेल, प्रचार प्रसार प्रमुख पवन पटेल ,एवं तहसील सदस्य कालूराम पटेल,सहित किसान मौजूद थे

नव वर्ष की पूर्व संध्या सुंदरकांड पाठ, का आयोजन किया गया

खरगोन

कसरावद - नव वर्ष के मंगलमय और स्वागत को लेकर मंगलवार को कसरावद क्षेत्र ग्राम लखनगांव के श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर मे रात 8 बजे सुंदरकांड प्रवाहक शिवम कुशवाह एवं मित्र मंडल खरगोन की मंडली द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया । मंदिर परिसर में नव वर्ष की पूर्व संध्या बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंच कर हाजरी भरी और प्रभु हनुमान जी का गुणगान किया। सुंदरकांड आयोजक एवं समाजसेवी अजय मंडलोई ने बताया कि 300 वर्ष प्राचीन श्री खेड़ा हनुमान मंदिर नर्मदा तट पर स्थित है मंगलवार और शनिवार भक्त यहां मंदिर में पहुंचते हैं और अपनी मनोकामनाएं मागते हैं। जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से मनोकामना मांगता है प्रभु उसकी

मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यह सुंदरकांड पाठ नव वर्ष के पहले हर साल 31 दिसंबर को 12 वर्षों से करते आ रहे हैं उन्होंने आगे बताया आज की युवा पीढ़ी पर भारी पड़ रही पश्चिमी सभ्यता को लेकर युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति से रूबरू करवा कर देश की संस्कृति से जोड़ने को लेकर हर वर्ष उनकी सभा की ओर नव वर्ष के अवसर पर यह प्रयास किया जाता है सुंदरकांड पाठ के दौरान आने वाले नव वर्ष के स्वागत और मंगल कामना के लिए मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ के उपरांत सभी प्रभु भक्तों ने एक दूसरे को आने वाले नव वर्ष की शुभकामनाएं दी और सभी के स्वास्थ्य जीवन को लेकर प्रभु के आगे पूजा अर्चना की। एवं महाप्रसादी वितरण की गई।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही विमुक्त भूमि को गौ-शाला से लिंक

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण हो हटाने का कार्य अभियान के रूप में किया जा रहा है। अतिक्रमण से मुक्त होने वाली भूमि संबंधित गौ-शाला से लिंक कर पंचायत के सुर्पुद की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशो के अनुपालन में सभी राजस्व अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्रो में अभियान के रूप में अतिक्रमण हटाने के कार्यो को मूर्तरूप दिया जा रहा है। सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चौधरी ने बताया कि सिरोंज तहसील के ग्राम महुआखेडा कुलुआ में सर्वे नम्बर 151

पर रकवा 6.032 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है। शासकीय चरनोई भूमि पर से कब्जा हटाने के उपरांत उक्त भूमि को गौ-शाला के लिए लिंक करने की कार्यवाही कर ग्राम पंचायत के सुर्पुद की गई है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तहत कामाख्या तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए यात्री

विदिशा विधायक श्री टण्डन और कलेक्टर श्री सिंह ने तीर्थयात्रियों का शुभकामनाएं अभिव्यक्त की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिले के तीन सौ तीर्थ यात्री एक जनवरी को स्पेशल ट्रेन से कमाख्या तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए है। विदिशा रेल्वे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों का विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने स्वागत सत्कार करते हुए शुभकामनाएं अभिव्यक्त कर तीर्थयात्रियों को बोगी के अन्दर प्रवेश कराया। इससे पहले तीर्थयात्रियों को आईआरसीटीसी के द्वारा उपलब्ध कराई गई रेल्वे टिकिटों, परिचय पत्र के अलावा स्वल्पाहार, पानी की बोतल, हरेक तीर्थयात्री और उनके साथ जाने वाले सहयोगी को प्रदाय की गई है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत एक जनवरी को रवाना हुए तीर्थ यात्री, कमाख्या तीर्थ दर्शन के उपरांत छह जनवरी को वापिस विदिशा आएंगे।

सिंधियाजी की सोच व विचरधारा हमेशा विकास और जनसेवा रही है - बंबोरिया

उज्जैन

केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिराज सिंधिया जी का जन्मदिन आज 1जनवरी को खाचरौद में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया नगर के वार्ड क्रमांक 8 में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर गरीबो एवं वृद्धजनों को ठंड से बचने के लिए गरम कंबलों का वितरण किया गया साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को मिठाई खिलाकर सिंधिया जी का जन्मदिन हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा कार्य समिति के सदस्य राधेश्याम बंबोरिया ने उपस्थित आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधिया जी का जन्म 1 जनवरी 1971 को मुंबई में हुआ उसके बाद हॉवर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड

विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपने पिता स्वर्गीय माधवरावजी सिंधिया के पद चिन्हो पर चलते हुए उन्होंने राजनीति के माध्यम से जन सेवा करने का रास्ता अपनाया। सिधिंयाजी की सोच और विचारधारा हमेशा विकास और जन सेवा की रही है उनका स्पष्ट रूप से मानना है कि राजनीतिक क्षेत्र में काम करने का एकमात्र उद्देश्य सिर्फ जनता की सेवा करना होना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्र की भाजपा पार्षद श्रीमती गोदावरी राहुल बंबोरिया, पूर्व किसान मोर्चा के नगर अध्यक्ष राहुल बंबोरिया, खाकचौक व्यामशाला के उस्ताद सिद्धू पहलवान, युवा मोर्चा नेता सुनील वाक्तरीया, प्रेम सिंह यादव, श्यामलाल मदारिया, आंगनबाड़ी संचालिका श्रीमती किरण भाटी, सहायिका श्रीमती वर्षा यादव, रमेश गुलिया, राजेश नायमा, मोहनलाल सरा, आदि उपस्थित थे ।

कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नववर्ष के उपलक्ष्य में जिला अधिकारियों की बैठक ली।

अशोकनगर बैठक में अधिकारियों को नववर्ष 2025 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले के विकास के लिए सभी अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करें। अधिकारीगण तनावमुक्त होकर बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर शासकीय कार्यो में उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही अपने-अपने विभागों की कार्ययोजना बनाकर कार्य करें।

कानून व्यवस्था संबंधी बैठक 7 जनवरी को होगी

हरदा जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों की बैठक 7 जनवरी को आयोजित होगी। यह बैठक कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में सहकारिता, वन, पुलिस, जिला पंचायत, खाद्य, खनिज, आबकारी, परिवहन, यातायात, खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्धारित समय पर जानकारी सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

स्थानीय अवकाश घोषित

नरसिंहपुर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने वर्ष- 2025 के लिए जिले में परम्परागत त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पूरे जिले के लिए 3 स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश मप्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार मकर संक्रांति मंगलवार 14 जनवरी 2025 को, रंगपंचमी बुधवार 19 मार्च 2025 को और दिवाली का दूसरा दिन मंगलवार 21 अक्टूबर 2025 को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। उपरोक्त स्थानीय अवकाश कोषागार एवं उपकोषागार तथा बैंकों पर लागू नहीं होंगे।

एसडीएम आरोन एवं डीपीओ महिला बाल विकास ने आंगनवाडी केन्द्र के बच्चों के साथ

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आरोन परियोजना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 के आंगनवाडी केन्द्र में एसडीएम आरोन श्री महेश कुमार बमन्हा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश कुमार चंदेल, परियोजना अधिकारी श्री अतिराज सिंह सेंगर,पर्यवेक्षक श्रीमती यौगिता वैरागी जिला समन्वयक पोषण रोहित साहू एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका द्वारा आंगनवाडी केन्द्र मे उपस्थित बच्चों के साथ नववर्ष मनाया गया। एवं एसडीएम श्री महेश बमन्हा द्वारा बच्चों को बिस्कुट तथा चॉकलेट भेंट किए गए साथ ही कार्यकर्ता को बच्चों के लिए अक्षर ज्ञान एवं अंक ज्ञान शिक्षण के लिये निर्देशित किया गया। एवं बच्चों से आंगनवाडी केन्द्र मे वितरित किए जा रहे भोजन एवं नास्ते की गुणवत्ता के बारे मे चर्चा की तथा भोजन एवं नास्ते के सैंपल चेक किये जो कि संतोषजनक पाये गए।

गुना कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के निर्देशन में दिनांक 01 जनवरी 2025 को जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री दिनेश कुमार चंदेल द्वारा गुना ग्रामीण एवं आरोन परियोजना क्षेत्र के विभिन्न आंगनवाडी केन्द्रों का आकस्मिक

आई श्री सोनल मां का 101 वा जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

धार लाबरिया अखिल भारतीय चारण समाज की कुलदेवी आई श्री सोनल मां का 101 वा जन्मोत्सव सरदारपुर तहसील के पंचायत बोडिया के गांव गोंदीखेड़ा चारण में धूमधाम से मनाया गया। जगह-जगह स्वागत किया गया एवं आरती का लाभ ठाकुर चारण ने लिया प्रसाद वितरण भी की गई और समाज की और से भंडारे का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज जन शामिल हुए।

ट्रूडो ने अमेरिका को तेवर दिखाते की नए साल की शुरूआत

ट्रंप को दो टूक कहा- हल्के में न ले.. कनाडा आज़ाद और मजबूत देश

इन्टरनेशनल डेस्क. 2025 के पहले दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने नागरिकों को नए साल की शुभकामनाएं दी, लेकिन उनके संदेश में एक खास इशारा था जो सीधे तौर पर अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ था। ट्रंप ने हाल ही में कनाडा को अमेरिका का राय बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे ट्रूडो ने इशारों-इशारों में नकारते हुए कहा कि कोई भी उनकी बात को हल्के में न ले क्योंकि कनाडा एक स्वतंत्र और मजबूत देश है।

ट्रूडो ने अपने ट्वीट में लिखा, देशभर में काउंटडाउन शुरू हो गया है। चाहे आप घर पर हों या विदेश में, 2025 नए अवसरों और चुनौतियों के साथ आएगा, लेकिन एक बात जो हम जानते हैं, वह यह है कि हमारा देश मजबूत और आज़ाद है, और हमें इसे अपना घर कहने पर गर्व है। हैप्पी न्यू ईयर कनाडा । इस ट्वीट में उनका संदेश साफ था कि कनाडा एक स्वतंत्र देश है और उसकी संप्रभुता को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं होगा। हाल ही में, ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ फ्लोरिडा स्थित अपने आवास मार-ए-लागो में एक डिनर के दौरान एक मजाकिया टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राय बनने का प्रस्ताव दिया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस डिनर की तस्वीर साझा करते हुए ट्रूडो को कनाडा का प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि गवर्नर कहा था।

उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाए, तो इसके नागरिकों को टैक्स में भारी छूट मिलेगी, उनके व्यवसायों का आकार बढ़ जाएगा और उन्हें अमेरिका की सैन्य सुरक्षा भी मिल सकती है। ट्रंप ने इसे एक मजाक के तौर पर कहा था, लेकिन यह बयान राजनीतिक रूप से विवादास्पद हो गया। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा था कि अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनता है तो उनके टैक्सों में 60 प्रतिशत से अधिक की कटौती हो जाएगी, उनके व्यवसायों का आकार तुरंत दोगुना हो जाएगा, और उन्हें अमेरिका की सैन्य सुरक्षा प्राप्त हो जाएगी, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश को नहीं मिल सकती। ट्रंप ने यह भी कहा कि कनाडा के नेतृत्व के लिए मशहूर नेशनल हॉकी लीग के दिग्गज खिलाड़ी वेन ग्रेट्जकी को चुना जाना चाहिए।

इस बयान पर ट्रूडो ने सीधे तौर पर जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कनाडा की संप्रभुता और स्वतंत्रता का बचाव किया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि कनाडा किसी भी तरह से अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा और देश की सत्ता और ताकत पर उसे गर्व है। उनका यह बयान कनाडा और ट्रंप के बीच के संबंधों में और अधिक तनी हुई स्थिति को दर्शाता है। ट्रूडो ने अपने ट्वीट के जरिए न सिर्फ ट्रंप के बयान का खंडन किया, बल्कि कनाडा के स्वतंत्रता और संप्रभुता को लेकर भी अपनी स्थिति स्पष्ट की। यह विवाद अब राजनीतिक स्तर पर भी सुर्खियां बन गया है, क्योंकि ट्रंप की टिप्पणियों ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में यह नया मोड़ दोनों देशों के नेताओं के बीच एक प्रकार की शक्ति प्रदर्शन और कूटनीतिक जंग को दर्शाता है।

US कोर्ट से मिला प्रत्यर्पण का आदेश

मुंबई हमले के दोषी आतंकी तहव्वुर राणा को अमेरिका से लाया जाएगा भारत

इन्टरनेशनल डेस्क. मुंबई में 26/11 को हुए आतंकवादी हमलों में कथित भूमिका के कारण, पाकिस्तान मूल के कनाडाई बिजनेसमैन तहव्वुर राणा को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। अमेरिका की एक अदालत ने उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया है, जिससे भारत को बड़ी कानूनी जीत मिल सकती है। राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था, और भारतीय जांच एजेंसी 2008 में लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए इस हमले में उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

अमेरिकी अदालत का फैसला

राणा ने अमेरिकी अदालत में अपने प्रत्यर्पण को लेकर याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

अदालत ने कहा कि राणा को भारत भेजा जा सकता है क्योंकि उस पर मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में शामिल होने का आरोप है। इसके बाद, भारतीय एजेंसियों ने राजनयिक माध्यमों से राणा को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अदालती सुनवाई के दौरान अमेरिकी वकीलों ने तर्क दिया कि राणा को इस बात का पूरा पता था कि उसका बचपन का दोस्त डेविड हेडली लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। हेडली एक पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक है, और राणा ने उसे सुरक्षा और मदद प्रदान की थी। राणा को हमले की योजना, लक्ष्यों और चर्चा की जानकारी भी थी। इसके अलावा, अमेरिकी सरकार ने दावा किया कि राणा आतंकवादी संगठन का समर्थन कर रहा था और उसने आतंकवादी गतिविधियों में सहायता की थी।

एनआईए ने दायर की चार्जशीट

एनआईए ने दिल्ली की अदालत में एक चार्जशीट दायर की है, जिसमें हेडली, राणा, हाफिज सईद, जकी-उर-रहमान लखवी, इलियास कश्मीरी, साजिद मीर, अब्दुर रहमान हाशिम सैयद और अन्य आतंकवादियों का नाम शामिल है। इस चार्जशीट में आरोप है कि इन लोगों ने लश्कर-ए-तैयबा और हुजी जैसे आतंकी संगठनों के लिए महत्वपूर्ण जगहों की रेकी की और 26/11 के हमलों की योजना बनाई।

हेडली ने हमले के बाद भारत यात्रा की थी और उसने दिल्ली, पुष्कर, गोवा और पुणे में चाबाद हाउस की रेकी की थी। राणा पर आरोप है कि उसने हेडली और अन्य आतंकियों को आर्थिक और रसद सहायता दी थी।

साथियों की साजिश का हो सकता है खुलासा

राणा के भारत प्रत्यर्पण से 26/11 मामले में एक नया मोड़ आ सकता है। यह कदम हमलों के पीछे की पूरी सच्चाई को सामने लाने में मदद कर सकता है। अगर राणा भारत आता है, तो इसके जरिए मुंबई हमलों में उसकी और उसके साथियों की साजिश का खुलासा हो सकता है।

शराब के नशे में खंभे पर चढ़ा व्यक्ति

बिजली की तारों को खाट समझ लेट गया व्यक्ति, स्थानीय लोगों ने बचाया

नेशनल डेस्क. आंध्र प्रदेश के मन्यम जिले के एम. सिंगीपुरम गांव में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति नशे की हालत में बिजली के खंभे पर चढ़ गया और फिर तारों को खाट समझकर लेट गया। यह घटना गांव के स्थानीय लोगों के लिए खतरनाक और तनावपूर्ण साबित हुई, लेकिन अंततः उनकी सूझबूझ और सावधानी के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई और व्यक्ति की जान बच गई। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और शराब की लत के खतरों और सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल उठाए गए।

शराब के नशे में खंभे पर चढ़ा व्यक्ति

घटना रविवार की शाम की है, जब एक व्यक्ति शराब के नशे में चूर हो गया। इस व्यक्ति ने बिना किसी सोच-समझ के अचानक सड़क पर चलते हुए बिजली के खंभे पर चढ़ने का निर्णय लिया। जब आसपास के लोग उसकी इस खतरनाक हरकत को देखे, तो वे तुरंत उसके पास दौड़े और उसे नीचे उतारने की कोशिश करने लगे, लेकिन नशे में धुत वह व्यक्ति किसी की भी बात नहीं सुन रहा था और खंभे की ऊंचाई पर चढ़ता ही चला गया। स्थानीय लोगों ने देखा कि अगर वह बिजली के तारों को छूता है, तो उसे करंट लग सकता है और उसका जीवन खतरे में पड़ सकता है। यह सोचते हुए, उन्होंने तुरंत ट्रांसफार्मर की बिजली काट दी ताकि उसे किसी भी तरह की विद्युत दुर्घटना से बचाया जा सके। लेकिन नशे में धुत व्यक्ति ने कोई परवाह नहीं की और अपनी स्थिति में बदलाव किए बिना खंभे के ऊपर चढ़ता रहा। उसकी स्थिति देखकर लोग भयभीत हो गए थे, क्योंकि यदि वह गिरता तो उसकी जान जा सकती थी।

बिजली के तारों पर लेट गया

जब वह व्यक्ति खंभे के सबसे ऊपरी हिस्से तक पहुंचा, तो उसकी स्थिति और भी भयावह हो गई। खंभे के शीर्ष पर पहुंचकर, वह एकदम से बिजली के तारों पर लेट गया। यह देख कर आसपास के लोग घबराए हुए थे, क्योंकि यह स्थिति न केवल उसके लिए, बल्कि आसपास खड़े लोगों के लिए भी जानलेवा हो सकती थी। तारों पर लेटने के बाद, वह कुछ पल के लिए इस तरह से लटका रहा जैसे वह हवा में झूल रहा हो। उसकी हालत देख कर एक ओर डर का माहौल बन गया क्योंकि यदि वह गिरता तो वह गंभीर रूप से घायल हो सकता था, और इससे बिजली का शॉक लगने का खतरा भी था। कुछ देर तक उसने किसी की भी बातों को अनसुना किया और अपने नशे की स्थिति में खोया रहा। लोगों ने उसे बार-बार आवाज दी, लेकिन वह बेसुध पड़ा रहा।

नशे में बेहोश व्यक्ति को तारों से उतारने का प्रयास

यह स्थिति धीरे-धीरे खतरनाक होती जा रही थी, लेकिन वहां मौजूद कुछ समझदार और साहसी लोगों ने जल्द ही एक समाधान निकाला। पहले तो, बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से काट दी गई ताकि व्यक्ति को किसी प्रकार का करंट न लगे। इसके बाद, गांववासियों ने मिलकर एक सुरक्षित तरीका अपनाया और नशे में बेहोश उस व्यक्ति को तारों से उतारने का प्रयास किया। वह लोग बहुत सावधानी से और हर कदम पर ध्यान रखते हुए उस व्यक्ति को तारों से निकाले। यह एक अत्यंत कठिन कार्य था क्योंकि बिजली के तारों से कोई भी संपर्क सीधे जानलेवा हो सकता था, लेकिन स्थानीय लोगों की सूझबूझ और संयम ने उसे बचाने में मदद की। अंततः, कुछ समय बाद उसे तारों से निकाल लिया गया और सुरक्षित रूप से नीचे उतार लिया गया।

पुलिस और प्रशासन ने किए हस्तक्षेप

इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने पूरी घटना की जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में किसी की भी लापरवाही नहीं थी, और लोगों की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। हालांकि, पुलिस ने यह भी कहा कि शराब के अत्यधिक सेवन के कारण ऐसे खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा मिलता है और इसे रोकने के लिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। पुलिस ने कहा कि ऐसे मामलों में न केवल प्रशासन की जिम्मेदारी है, बल्कि समुदाय को भी मिलकर इस समस्या को हल करने के लिए प्रयास करना होगा। स्थानीय अधिकारी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि शराब के नशे में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जाए और इसके लिए उचित कदम उठाए जाएं।

शराब की लत से जूझ रहे लोग

यह घटना शराब की लत से जूझ रहे लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। अत्यधिक शराब पीने से न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, बल्कि इससे व्यक्ति का निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। नशे की हालत में लोग अपने आसपास के खतरों का ठीक से आकलन नहीं कर पाते और इससे दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है। यह घटना समाज को यह समझाने का एक जरिया बन सकती है कि शराब की लत के खतरों से न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज भी प्रभावित होता है। ऐसे लोगों के लिए सहायता प्रदान करने, जागरूकता फैलाने और सही दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

घटना के दौरान का वीडियो किसी ने रिकॉर्ड कर लिया था और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा था कि किस प्रकार स्थानीय लोग उस व्यक्ति को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर खंभे से नीचे उतारने की कोशिश कर रहे थे। वीडियो में दिख रही नाटकीय स्थिति ने देशभर के लोगों को हैरान कर दिया और इसने शराब की लत और नशे में किए जाने वाले खतरनाक कार्यों के बारे में एक नई बहस शुरू कर दी है। यह घटना यह दर्शाती है कि शराब की लत न केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हो सकती है। शराब के नशे में लोग अक्सर अपने आसपास के खतरों को नजरअंदाज कर देते हैं और इस प्रकार की घटनाएं घटित होती हैं। हमें इस तरह के मामलों से जागरूक होने की आवश्यकता है और इस लत को दूर करने के उपायों पर ध्यान देना चाहिए। स्थानीय प्रशासन और समुदाय की मिलजुल कर कार्यवाही से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

लालू-राबड़ी से मिलने पहुंचे नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

तेजस्वी ने भी की राजभवन में मुलाकात

पटना. बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बुधवार को नववर्ष पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मिलने राबड़ी आवास पहुंचे। राज्यपाल ने लालू और राबड़ी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। साथ ही राबड़ी देवी को उनके जन्मदिन की भी शुभकामनाएं दी। वहीं, इससे पहले नवनियुक्त राज्यपाल से मिलने के लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी राजभवन गए, जहां तेजस्वी यादव ने राज्यपाल आरिफ अहमद खान से मुलाकात की और नए साल की शुभकामनाएं दी। इस दौरानरता दोनों के बीच 15 मिनट तक राजभवन में वार्तालाप हुई। इसके कुछ देर बाद ही राज्यपाल राबड़ी आवास पहुंचे। हालांकि, देखा जाए तो प्रोटोकॉल के तहत राज्यपाल का राबड़ी आवास जाना उचित नहीं था, क्योंकि उन्होंने अभी तक शपथ ग्रहण नहीं किया है। वहीं शपथ ग्रहण से पहले लालू परिवार से मुलाकात करने को लेकर बिहार में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बता दें कि, पिछले साल 2024 में 24 दिसंबर को आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का नवनियुक्त राज्यपाल चुना गया था। इससे पहले आरिफ मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल थे।

लंदन में इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के घर से एक अरब रुपए से अधिक के आभूषण-कीमती हैंडबैग और नकदी चोरी

इन्टरनेशनल डेस्क.नए साल पर ब्रिटेन में अरबों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। लंदन पुलिस एक मकान में घुसकर 1.32 करोड़ अमेरिकी डॉलर (एक अरब रुपये से अधिक) के आभूषण, डिजाइनर हैंडबैग और नकदी लेकर रफूचक्कर हुए चोर की तलाश में जुटी है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, मकान के मालिकों की पहचान एक इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर और पेशे से डेवलपर उनके पति के रूप में हुई है, जो सात दिसंबर को चोरी के समय घर पर नहीं थे। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार हालांकि कर्मचारी घर में थे और घर की रखवाली करने वाली एक महिला का हथियारबंद चोर से आमना-सामना भी हुआ। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिटेक्टिव कांस्टेबल पाउलो रॉबर्ट्स ने सोमवार को चोरी का खुलासा होने के बाद कहा, हथियारबंद संदिग्ध व्यक्ति मकान में घुसा और अपराध को अंजाम दिया। मकान से चोरी हुई चीजों में 10.73 कैरेट की हीरे की अंगूठी, सोने, हीरे और नीलम जड़ी एक क्लिप शामिल है। इसके अलावा 16 लाख रुपये से अधिक (1,89,00 अमेरिकी डॉलर) के हैंडबैग भी चोरी हुए हैं। मकान मालिकों ने संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 6,28,000 अमेरिकी डॉलर (पांच करोड़ रुपये से अधिक) का ईनाम देने की घोषणा की है। इसके अलावा चोरी हुई वस्तुएं बरामद होने पर उनकी 10 प्रतिशत कीमत अतिरिक्त ईनाम के तौर पर दी जाएगी। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति दूसरे तल की खिड़की से घर में घुसा। 'मेल ऑनलाइन से मिली सर्विलांस फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति गलियारे से गुजरता हुआ दिख रहा है। इससे एक मिनट के आसपास एक घरेलू सहायिका वहां पहुंचती दिख रही है। यह घर लंदन में अमीर व्यक्तियों के इलाके रेजेंट्स पार्क के निकट स्थित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569